दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 23 सितंबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06 :10 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 18 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ट्रंप ने टैरिफ के बाद वीजा शुल्क बढ़ाया : मोदी फेल

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 339 | गाजियाबाद, मंगलवार 23 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

विमान हादसा: जांच रिपोर्ट लीक करना दुर्भाग्यपूर्ण और गैर जिम्मेदाराना: SC

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार एयर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के चुनिंदा हिस्सा मीडिया में लीक किए पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसमें हादसे के लिए पायलट की गलती को जिम्मेदार ठहराने वाली कहानी को बल मिला।

शीर्ष अदालत ने जांच रिपोर्ट के टुकड़ों में प्रकाशन को गैर- जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 'इस बात पर जोर दिया कि जांच पूरी होने तक पूर्ण गोपनीयता बनाए रखना जरूरी है। जस्टिस सूर्यकांत ने 'विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया और कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में पायलट की गलती की ओर इशारा करने वाले कुछ पहलू का टुकड़ों में प्रकाशन 'गैर-जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि इसके चलते मीडिया में कहानी बन गई।

शीर्ष अदालत ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जां की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। पीठ ने इसे गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी कर अपना अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। पीठ ने कहा कि 'जांच पूरी होने तक इस तरह की रिपोर्टों की पूरी गोपनीयता होनी चाहिए। इसमें पीड़ितों की निजता और गरिमा का भी मुद्दा शामिल है।

इसलिए हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट यह आदेश तब दिया, जब याचिकाकर्ता 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन की ओर से प्रशांत भूषण ने कहा कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट की एक पंक्ति, जिसमें दुर्घटना के लिए पायलटों को जिम्मेदार ठहराया गया था, ने दुनिया भर के मीडिया में एक कहानी गढ़ी।

भूषण ने पीठ से कहा कि 'जब तक लोगों को दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चलता, वे खतरे में हैं क्योंकि तब तक कोई निवारक कदम नहीं उठाया जा सकता। दुर्घटना को 100 दिन से अधिक हो गए हैं और हमें अभी भी कारण का पता नहीं है।

अधिवक्ता भूषण ने आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद गठित जांच समिति के 5 सदस्यों में से तीन विमानन नियामक से थे और हितों के टकराव का मुद्दा हो सकता है। उन्होंने कहा कि 'तीन हितधारक हैं- विमान निर्माता, एयरलाइन और डीजीसीए और इन तीनों पक्षों के किसी भी सदस्य की संलिप्तता हितों के टकराव को दर्शाती है।

उन्होंने पीठ से कहा कि जिस संगठन की भूमिका की जांच होने की संभावना है, उसी संगठन के अधिकारी घटना की जांच करने वाली समिति का हिस्सा कैसे हो सकते हैं? याचिकाकर्ता ने पीठ से कहा है कि विमान के फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर से जानकारी का खुलासा करने से दुर्घटना के कारणों के बारे में स्पष्टीकरण मिल जाएगा। इस पर पीठ ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग तो समझ में आती है, लेकिन फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर से जानकारी की मांग 'संदिग्ध है। पीठ ने आगाह किया कि किसी विशेष जानकारी को जारी करने का प्रतिद्वंद्वी एयरलाइनों द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है। साथ ही सुझाव दिया कि ऐसी जानकारी समय से पहले जारी नहीं की जानी चाहिए।

टुकड़ों में जानकारी न हो सार्वजनिक शीर्ष अदालत ने कहा है कि 'हमें जानकारी को टुकड़ों में जारी नहीं करना चाहिए और नियमित जांच के तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचने तक पूरी गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए। तभी हम वाश्तविक कारण बता सकते हैं।

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से अधीवक्ता भूषण ने एक पॉडकास्ट का हवाला दिया, जिसमें घटना के सभी पहलुओं की जांच करने का दावा किया गया था, और कहा कि यह निष्कर्ष निकाला गया है कि यह पायलट की लापरवाही का मामला नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट की कुछ चुनिंदा हिस्से का मीडिया रिपोर्टिंग ने वाश्तव में पूरी तस्वीर को विकृत कर दिया है। ऐसे में इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी है। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट से 12 जून को लंदन के लिए उड़ान भरने के चंद सैकेंड बाद की एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रश्त हो गया। इसमें एक यात्री को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी।

मोदी ने अरुणाचल प्रदेश को दी 5100 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5100 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण कर प्रदेशवासियों को नवरात्र का उपहार दिया। इसमें 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की दो जलविद्युत परियोजना और तवांग में एक अत्याधुनिक सम्मेलन केंद्र की आधारशिला रखी है।

श्री मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि अरुणाचल की यह भूमि उगते सूर्य की धरती के साथ देशभक्ति के उफान की भी धरती है। जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का पहला रंग भी केसरिया है। यहां का हर व्यक्ति शौर्य और शांति का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से देश में नेक्स्ट जेनरेशन वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार लागू हुए हैं। जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में जनता जनार्दन को यह डबल बोनस मिला है।

उन्होंने कहा कि 2014 में जब आपने मुझे सेवा का मौका दिया, तभी मैंने कांग्रेस की सोच से देश को मुक्ति दिलाने की ठान लिया था। हमारी प्रेरणा किसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं बल्कि राष्ट्र सर्वप्रथम (नेशन फर्स्ट) की भावना है। हमारा एक ही मंत्र 'नागरिक देवो भवः' है।

जबकि कांग्रेस का यह मानना था कि इस प्रदेश में कम लोग हैं, लोकसभा की सिर्फ दो ही सीटें हैं, तो क्यों अरुणाचल पर ध्यान दिया जाए। कांग्रेस की सोच से अरुणाचल को, पूरे पूर्वोत्तर को बहुत नुकसान हुआ। हमारा पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्रा विकास में पीछे छूट गया। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर की कांग्रेस द्वारा अनदेखी किये जाने पर कहा कि हमारे अरुणाचल प्रदेश में वैसे तो सूर्य की किरण सबसे पहले आती हैं लेकिन दुर्भाग्य से यहां विकास की किरण आते-आते कई दशक लग गए।

झारखंड में दो सड़क हादसों में पांच की मौत, 15 घायल

✷ वेबवार्ता. रामगढ़ ✷। झारखंड के रामगढ़ और गोड्डा जिलों में सोमवार को दो सड़क हादसे हुए। दोनों हादसों को मिलाकर कुल पांच लोगों की मौत हो गई और 15 घायल भी हुए। पहला हादसा रामगढ़ के छत्तर गांव में सुबह 10 बजे हुआ, जब एक यात्री बस की ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें दो लोगों की मौत हुई और 15 घायल हुए। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को रांची के रिम्स अस्पताल रेफर किया गया। दूसरा हादसा गोड्डा के शीतल गांव में हुआ, जहां एक कार पलटकर खाई में गिर गई। इसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

एनआईए ने लड़की की तस्करी में लिप्त 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोलकाता और बनगांव में पांच स्थानों पर छापा मार कर नाबालिग बांग्लादेशी लड़की की तस्करी में संलिप्तता के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आमिर अली शेख और अमल कृष्ण मंडल पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के रहने वाले हैं। एनआईए के एक बयान में कहा गया है कि पीड़िता को रोजगार देने के बहाने अवैध रूप से भारत में तस्करी कर लाया गया था और उसका शोषण किया गया। तलाशी अभियान में भारतीय, बांग्लादेशी और अन्य विदेशी मुद्रा के अलावा कई आपत्तिजनक दश्तावेज जब्त किए गए।

पोरबंदर के सुभाषनगर जेट्टी पर लंगर डाले जहाज में लगी आग

✷ वेबवार्ता. पोरबंदर ✷। पोरबंदर, 22 सितंबर (वेब वार्ता)। गुजरात के पोरबंदर में सुभाषनगर जेट्टी पर खड़े एक जहाज में अचानक आग लग गई। यह जहाज जामनगर की एचआरएम एंड संस कंपनी का है और इसमें चावल व चीनी लदी हुई थी। आग की सूचना मिलते ही दमकल के तीन वाहन मौके पर पहुंचे। लेकिन जहाज पर चावल का भारी मात्रा में भंडारण होने के कारण आग तेजी से फैल गई, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। हालात को देखते हुए जहाज को समुद्र के बीच में खींचकर ले जाया गया ताकि आग से जेट्टी और आसपास के इलाके को कोई नुकसान न हो। यह जहाज सोमालिया के बोसासो बंदरगाह के लिए रवाना होने वाला था।

पुणे प्रोफेसर ने किया पुरस्कार पत्र में फर्जीवाड़ा, गिरफ्तार

✷ वेबवार्ता. पुणे ✷। पुणे के वाघोली स्थित एक कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर वीरेन्द्र सिंह यादव को प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (अब राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार) हासिल करने का दावा करने के लिए फर्जी पत्र बनाने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) की शिकायत पर पता चला कि यादव ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह के हश्ताक्षर जाली किए थे। जांच में स्पष्ट हुआ कि 2025-26 के लिए कोई चयन हुआ ही नहीं। पुलिस ने यादव को 26 सितंबर तक रिमांड पर भेजा है।

मराठा आरक्षण सुनवाई से अलग हुई खंडपीठ

✷ वेबवार्ता. मंबई ✷। बॉम्बे हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने सोमवार को मराठा आरक्षण के लिए कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। ये याचिकाएं जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस संदेश पाटिल की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आईं। हालांकि, न्यायमूर्ति पाटिल ने कहा कि वह इन याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर सकते, जिसके बाद पीठ ने बिना कोई कारण बताए याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया।

उपग्रहों की सुरक्षा के लिए अंतरिक्ष में तैनात होंगे 'बॉडीगार्ड

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत अंतरिक्ष में उपग्रहों की सुरक्षा के लिए 'बॉडीगार्ड उपग्रह बनाने की योजना बना रहा। मामले से जुड़े जानकारों ने ये दावा किया है। 'बॉडीगार्ड उपग्रह अंतरिक्ष में अहम मिशन से जुड़े उपग्रहों को किसी भी हमले से बचाने में मदद करेंगे। योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाना है।

जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि एक ऐसा 'बॉडीगार्ड उपग्रह बनाया जाए जो खतरों को भांप कर अंतरिक्ष में घूम रहे दूसरे उपग्रहों की रक्षा करने का काम करें। जानकारों का दावा है कि उपग्रह-सुरक्षा परियोजना मोदी सरकार की एक बड़ी योजना है। केंद्र सरकार इस योजना के तहत उपग्रहों की सुरक्षा के लिए 50 सुरक्षा उपग्रहों तैयार करने के लिए 270 अरब रुपये खर्च कर सकती है। इस श्रेणी का पहला उपग्रह अगले साल लॉन्च हो सकता है।

भारत इस कार्यक्रम के लिए लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सैटेलाइट (एलआईडीआर) लॉन्च कर सकता है। ये अंतरिक्ष में मौजूद खतरों का तुरंत पता लगाएगा जिससे पृथ्वी पर उपग्रह के लिए काम करने वाले लोगों को इससे निपटने के लिए पूरा मौका मिलेगा। तकनीक और रडार से वैज्ञानिक मिशन से जुड़े उपग्रह को सुरक्षित करने का इंतजाम कर सकते हैं। अंतरिक्ष में पाकिश्तान के सिर्फ आठ, भारत के 100 से अधिक जबकि चीन के पास 930 उपग्रह भ्रमण कर रहे हैं। ये मामला बेहद संवेदनशील जानकारों का कहना है कि ये मामला संवेदनशील है क्योंकि उपग्रहों ने पाकिश्तान के खिलाफ हाल ही में हुए संघर्ष में अहम भूमिका निभाई थी।

एक पड़ोसी देश का उपग्रह भारतीय उपग्रह से करीब एक किलोमीटर दूर था जो जमीन से जुड़ी मैपिंग और निगरानी में जुटा था। हालांकि अधिकारियों ने ये नहीं बताया कि ये उपग्रह किस देश का था। इसी घटना के बाद भारत सरकार ने उपग्रहों की सुरक्षा पर जोर देना शुरू किया है। आशंका है कि इस तरह से दूसरे देशों की क्षमता पता लगाने की कोशिश हो सकती है।

एकसाथ दो देशों के उपग्रह इसरो का उपग्रह पृथ्वी से 500 से 600 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहा था। इसी क्षेत्र में एलन मस्क का संचार उपग्रह स्टारलिंक का बड़ा बेड़ा परिक्रमा कर रहा था। इसरो के कैपासिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफिस के पूर्व निदेशक सुधीर कुमार एन का कहना है कि हमारे पास अभी इस श्तर के निगरानी उपग्रह नही हैं जो परिक्रमा कर रहे उपग्रहों की रक्षा कर सकें। कुछ स्टार्टअप जरूर काम कर रहे हैं। चीन बड़ा खतरा बन रहा भारत और अमेरिका के अधिकारी बार-बार चेता रहे हैं कि चीन की सेना अंतरिक्ष में बड़ा खतरा

परमाणु निरस्त्रीकरण अब पुरानी कहानी : किम जोंग

✷ वेबवार्ता. प्योंगयांग ✷

उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन ने कहा है कि परमाणु निरस्त्रीकरण एक अवधारणा के रूप में अपना अर्थ खो चुका है और उनका देश अपने परमाणु हथियारों को 'कभी नहीं' त्यागेगा, लेकिन अगर अमेरिका 'परमाणु निरस्त्रीकरण के अपने मोह को छोड़ दे' तो वह उसके साथ 'शांतिपूर्ण सह-अश्तित्व' पर चर्चा के लिए तैयार है।

उत्तर कोरिया की संवाद समिति केसीएनए के अनुसार, श्री उन ने चौदहवीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के तेरहवें सत्र के दूसरे दिन यह टिप्पणी की। यह सत्र 20 से 21 सितंबर तक मानसुडे असेंबली हॉल में आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में श्री किम ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी 'अच्छी यादें' साझा कीं। साल 2018-19 में हुयी इन मुलाकातों में प्रतिबंधों में राहत के बदले परमाणु निरस्त्रीकरण के कदमों पर चर्चा करने के लिए तीन बार बात की गयी थी।

यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति के इस साल श्री किम से मिलने की इच्छा व्यक्त करने के एक महीने से भी कम समय बाद आयी है। उन्होंने तब श्री किम के साथ अपने 'बेहद मैत्रीपूर्ण' संबंधों पर जोर दिया था।

श्री किम ने दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया और दोहराया कि उनका देश कभी भी दक्षिण कोरिया के साथ पुनर्मिलन की कोशिश नहीं करेगा। उत्तर कोरिया, अपने इस पड़ोसी देश को अमेरिका के अधीन एक 'औपनिवेशिक देश' बता चुका है।

मोदी देश विदेश में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा : राधाकृष्णन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश और विदेश में लाखों लोगों के लिए एक जीवंत प्रेरणा बताते हुए कहा कि वह अपने आचरण से लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं।

श्री राधाकृष्णन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनिंदा भाषणों वाले दो खंडों का विमोचन करने के बाद कहा कि ये दोनों खंड प्रधानमंत्री के राष्ट्र के प्रति योगदान, दृष्टिकोण और सपनों को समझने की कुंजी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को 'देश और विदेश में लाखों लोगों के लिए एक जीवंत प्रेरणा बताया, जो अपने आचरण से लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। वह एक आम आदमी के प्रतिनिधि से एक सच्चे जननेता के रूप में विकसित हुए हैं जिनके दृढ़ संकल्प ने हमें दिखाया है कि कैसे असंभव को संभव बनाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का हर भाषण दृढ़ता, दृढ़ संकल्प और जन कल्याण का एक ही संदेश देता है।

प्रधानमंत्री के भाषण उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकारी योजनाएँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक भारत श्रेष्ठ भारत, काशी तमिल संगम, जनजातीय गौरव दिवस और राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ रखने जैसी पहलों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक पहचान मजबूत किया है।

जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को मिलने पर सवाल : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि जीएसटी की व्यवस्था में सीमित सुधार आठ साल की देरी हुआ है।

इस बात पर बड़ा सवाल बना हुआ है कि क्या जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच पाएगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि केंद्रीय वश्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 171 के तहत राष्ट्रीय मुनाफाखोरी विरोधी प्राधिकरण (एनएए) की स्थापना यह निगरानी करने के लिए की गई थी कि क्या जीएसटी दरों में कटौती से उपभोक्ता कीमतों में कमी आई है, लेकिन मोदी सरकार ने इसे निष्प्रभावी बना दिया है।

जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि सुधारों में प्रक्रिया से संबंधित जटिलताओं को कम नहीं किया गया है, जबकि इसकी बहुत आवश्यकता थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम 2017 से जीएसटी व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं, लेकिन आठ साल की देरी से किया गया यह सुधार सीमित है।

कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि यह सुधार जीएसटी 2.0 नहीं है जिसकी कांग्रेस मांग कर रही है, बल्कि इसे जीएसटी 1.5 कहा जा सकता है।

लगातार दूसरे दिन लुढ़के शेयर बाजार, आईटी कंपनियों में बड़ी गिरावट

लगातार दूसरे दिन लुढ़के शेयर बाजार, आईटी कंपनियों में बड़ी गिरावट

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा के शुल्क में बढ़ोतरी से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में बिकवाली हावी रही और आईटी तथा टेक कंपनियों में बड़ी गिरावट देखी गई। इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयरों में दो से ढाई प्रतिशत के बीच गिरावट चल रही थी।

बीएससी का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 475.16 अंक की गिरावट के साथ 82,151.07 अंक पर खुला। हालांकि बाद में इसकी गिरावट कुछ कम हुई और खबर लिखे जाते समय यह पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 154.95 अंक (0.15 प्रतिशत) नीचे 82,471.28 अंक पर था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 सूचकांक भी 88.95 अंक की गिरावट में 25,238.10 अंक पर खुला और खबर लिखे जाते समय 31.30 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 25,296 अंक पर था।

आईटी के अलावा फार्मा, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद सेक्टरों में गिरावट देखी गयी। वहीं, बैंकिंग, ऑटो, धातु और एफएमसीजी सेक्टरों के शेयरों में लिवाली का जोर रहा।

आईटी कंपनियों के अलावा एलएंडटी और एयरटेल भी गिरावट में रहने वाली प्रमुख कंपनियों थे। वहीं, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स, ट्रेंट और इंटरनल के शेयरों में तेजी थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने 21 सितंबर से एच1बी वीजा के लिए 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगा दिया है। हालांकि बाद में यह स्पष्टीकरण दिया गया कि यह शुल्क पुराने बीमाधारकों पर लागू नहीं होगा और सिर्फ नये वीजा के लिए आवेदन करते समय चुकाना पड़ेगा।

सर्पदंश से युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। थाना अकराबाद क्षेत्र के गांव शाहगढ़ में एक युवक की जहरीले सांप के काटने से उपचार के दौरान अस्पताल में मृत्यु हो गई। गांव शाहगढ़ निवासी राजेश कुमार का छोटा बेटा योगेश कुमार शनिवार की रात खेत से घर लौट रहा था तभी राश्ते में उसे किसी जहरीले सांप ने डस लिया था। स्वजन उसे आनन-फानन में मेडिकल कालेज अलीगढ़ ले गए थे।जहां उपचार के दौरान सोमवार की सुबह मेडिकल में मृत्यु हो गई। हादसे की जानकारी पर मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव महेश बघेल, सुनील सिंह, अनोखेलाल, टुनटुन बाबा, अनिल कुमार, भोले, सत्यम, प्राशू, टिंकू, सोनू, सतेन्द्र कुमार, मनीष जादौन आदि दर्जनों लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए और परिजनों को सांत्वना दी।

जनसुनवाई कॉ बेहतर बनाने हेतु रिसीविंग सिस्टम शुरू

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। एसएसपी द्वारा नवरात्रि के शुभारम्भ के अवसर पर जनसुनवाई को और बेहतर बनाने के लिये पुलिस कार्यालय में रिसीविंग सिस्टम शुरू किया गया । जिसमें जो भी शिकायतकर्ता पुलिस ऑफिस आ रहे हैं उनको गुलाबी रंग की रिसीविंग दी जा रही है एवं प्राप्त समश्त शिकायती प्रार्थना पत्र कम्प्यूटर पर स्कैन किये जा रहे हैं और सम्बन्धित को अग्रसारित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद के समश्त थानों पर पहुंचने वाले शिकायतकर्ताओं के लिए भी अगले 07 दिवस में रिसीविंग सिस्टम शुरू कर दिया जायेगा। जनपदवासियों से अनुरोध है कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत के सम्बन्ध में किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से 14.00 बजे के मध्य एसएसपी कार्यालय में उपस्थित होकर एसएसपी के समक्ष अपनी समस्या रख सकते हैं। एसएसपी द्वारा शीघ्र ही उनकी शिकायत का निश्तारण सुनिश्चित कराया जायेगा ।

23 सितंबर को मनाया जाएगा आयुर्वेद दिवस

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। दसवें आयुर्वेद दिवस की तैयारियों को लेकर सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में बैठक हुई। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि अब तक यह दिवस धनतेरस को मनाया जाता था, किंतु तिथि बदलने से आयोजन में कठिनाई आती थी। वर्ष 2025 से आयुर्वेद दिवस प्रतिवर्ष 23 सितम्बर को मनाया जाएगा, जो दिन-रात के संतुलन का प्रतीक है और आयुर्वेद के सिद्धांतों से मेल खाता है। इस वर्ष की थीम "मोटापे के लिए आयुर्वेद आहार" निर्धारित की गई है। साथ ही डिजिटल युग में आयुर्वेद, भ्रामक विज्ञापनों से बचाव, कैंसर देखभाल में आयुर्वेद, छात्र-छात्राओं में जागरूकता, पशु स्वास्थ्य, महिलाओं हेतु आयुर्वेद और "संहिता से संवाद" जैसी उप-थीमें भी शामिल रहेंगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रातःकाल 08 बजे से सुभाष चौक से हैबीटेट सेंटर तक जागरूकता रैली, विद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिता, राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में चर्चा, किसानों के माध्यम चर्चा के सबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

नवजात बच्चियों को बांटी मच्छरदानी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार के निर्देशन के क्रम में सोमवार को महिला कल्याण विभाग द्वारा मोहन लाल गौतम जिला महिला चिकित्सालय में 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत थीम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम किया गया। सीएमएस डॉ. तैय्यब की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 11 नवजात बच्चियों को मच्छरदानी वितरित की गई और सभी को कन्या सुमंगला योजना के बारे में विश्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी हितेश कुमारी, वन स्टॉप सेंटर मेनेजर सीमा अब्बास, एचईडब्लू से वर्षा रानी, जेंडर स्पेशलिस्ट नीतू सारस्वत एवं वंदना शर्मा वन स्टॉप से मंजू पैरामेडिकल नर्स उपस्थित रहे।

दिल्ली क्रिकेट हब ने आठ विकेट से जीता मैच

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। अल्फा क्रिकेट मैदान में चल रहे प्रदीप श्रीवाश्तव मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को दिल्ली क्रिकेट हब और टीएनएम अकादमी के बीच मैच खेला गया। मैच में दिल्ली क्रिकेट हब ने आठ विकेट से जीत हासिल की। टॉस जीतकर टीएनएम अकादमी ने बल्लेबाजी करते हुए 35.4 ओवर में 197 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कप्तान अविजीत त्यागी ने 51 और तजिंद्र लुबाना ने 45 रन बनाए।

गुरुग्राम सेक्टर-23 में पानी की मेन पाइपलाइन फटी

कई सेक्टरों और कॉलोनियों में जल संकट गहराया

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-23 में पानी की मुख्य पाइप लाइन फटने से सात इलाकों में पेयजल संकट गहरा गया है। इनमें सेक्टर-21, 22, 23, 23ए के अलावा गांव डूंडाहेड़ा, कार्टरपुरी और मौलाहेड़ा शामिल हैं। लोगों को पानी के लिए टैंकर पर आश्रित होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही से यह स्थिति बनी है। शनिवार दोपहर को सेक्टर-23 के बूस्टिंग स्टेशन पर पाइप लाइन फट गई। इससे बूस्टिंग स्टेशन पानी में डूब गया। जीएमडीए ने बसई जल शोधन संयंत्र से पानी की सप्लाई को बंद कर दिया। इससे पेयजल सप्लाई ठप हो गई।

टैंकर मंगाने को मजबूर

पानी की आपूर्ति न होने के कारण कई घरों में लोगों ने टैंकरों से पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ा। पीने के पानी को लेकर भी लोगों को दुकानों से पानी के बोतलें खरीदने को मजबूर होना पड़ा। यह पहली बार नहीं है कि सेक्टर में अधिकारियों की लापरवाही के कारण लोगों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विजय ढाका, मुख्य अभियंता, नगर निगम, गुरुग्राम, सेक्टर-23 में जहां पर पानी की पाइप लाइन टूटी है, इसकी मरम्मत का कार्य लगभग हो गया है। प्रभावित इलाकों पानी की आपूर्ति बहाल करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

गुरुग्राम को जाम से राहत देने की तैयारी, दिल्ली-जयपुर हाईवे के पास कहां बनेगा नया अंडरपास?

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित शंकर चौक पर जाम से राहत दिलाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए डीएलएफ प्रबंधन ने मोलसरी एवेन्यू रोड से हाईवे पर जयपुर से दिल्ली की तरफ दो लेन का अंडरपास तैयार करने का प्रस्ताव बनाया है। हरियाणा सरकार ने इस प्रस्ताव को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को भेजा है। सिरहौल बॉर्डर के समीप स्थित शंकर चौक एक व्यस्तम चौराहा है। दिल्ली से जयपुर की तरफ कई रिहायशी और व्यावसायिक कॉलोनियां हैं। हजारों की संख्या में दिल्ली से लोग इन कंपनियों में नौकरी के लिए आते हैं। शाम को वापसी जाते समय शंकर चौक के समीप से दिल्ली के लिए यू टर्न लेना पड़ता है। इस वजह से दिल्ली-जयपुर हाईवे पर डीएलएफ साइबर सिटी की तरफ मुड़ रहे वाहनों का आपस में मिलते हैं, जिस कारण जाम लगता है। डीएलएफ प्रबंधन ने एक प्रस्ताव बनाकर गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को सौंपा है। इसके मुताबिक डीएलएफ मोलसरी एवेन्यू रोड पर दो लेन का अंडरपास दिल्ली-जयपुर हाईवे को क्रॉस करता हुआ दिल्ली की तरफ बना दिया जाए तो इससे शंकर चौक पर यू टर्न के कारण जाम नहीं लगेगा। इस प्रस्ताव पर अधिकारियों की तरफ से विचार किया जा रहा है। इसे अभी मंजूरी नहीं मिल सकी है। डीएलएफ के एक अधिकारी के मुताबिक इस अंडरपास के निर्माण का खर्च डीएलएफ लिमिटेड उठाने को तैयार है।

डीएमके हमेशा से मुस्लिम हितों की रक्षा करती रहेगी: एमके स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके)) और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) हमेशा से मुस्लिम हितों की रक्षा करती रहेगी। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सीएम स्टालिन ने रविवार को राज्य के मुसलमानों को आश्वासन दिया कि उनके नेतृत्व वाली

डीएमके हमेशा एक ऐसी पार्टी रहेगी, जो उनके अधिकारों की रक्षा करेगी और उनके अधिकार सुनिश्चित करेगी। स्टालिन ने वक्फ कानून में संशोधन के मुद्दे पर केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा की घोर आलोचना की। उन्होंने कहा कि डीएमके और अन्य की कानूनी लड़ाई की बदौलत ही विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम के प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट से स्थगन मिल सका है। मुख्यमंत्री ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और तीन तलाक जैसे मुद्दों को लेकर एआईएडीएमके पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अन्नाद्रमुक के विश्वासघात के कारण ही मुख्य विपक्षी दल (एआईएडीएमके) के अनवर राजा जैसे नेता उस पार्टी को छोड़कर डीएमके में शामिल हो गए। पैगंबर मोहम्मद की 1,500वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रमुक संस्थापक सीएन अन्नादुरई और दिवंगत पार्टी संरक्षक एम करुणानिधि पहली बार तिरुवरूर में मिलाद-उन-नबी से जुड़े एक कार्यक्रम में मिले थे और दोनों नेताओं के बीच जो घनिष्ठता बढ़ी, वह तमिलनाडु के विकास की नींव बनी।

गाजा मुद्दे पर तत्काल कदम उठाने का केंद्र से आग्रह

विभिन्न दलों के मुस्लिम नेताओं की मौजूदगी का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि एकता जीत की ओर पहला कदम है। पैगंबर मोहम्मद के उपदेशों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुधारवादी नेता पेरियार ईवीआर और प्रतिष्ठित नेता अन्नादुरई तथा करुणानिधि ने पैगंबर के सिखाए समानता और प्रेम के संदेश की सराहना की थी। गाजा पट्टी की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए स्टालिन ने कहा कि फलस्तीनियों पर हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस संबंध में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

ड्रोन कमांडो तैयार कर रही सेना, पहले बैच की ट्रेनिंग जारी

टेकनपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के टेकनपुर में बीएसएफ के ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में ड्रोन वॉरफेयर स्कूल शुरू हुआ है। पांच हफ्तों में 47 जवान यहां से ड्रोन कमांडो बनकर निकलेंगे।

यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद ड्रोन को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने की बीएसएफ की योजना का हिस्सा है। इस स्कूल में जवानों को ड्रोन उड़ाने, निगरानी करने, हमला करने और दुश्मन के ड्रोन्स का मुकाबला करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। बीएसएफ अकादमी के एडीजी शमशेर सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखाया है कि अब जंग टैंकों और बंदूकों से नहीं, बल्कि हवा में ड्रोन्स से लड़ी जा रही है। वो चाहते हैं कि जवान ड्रोन को वैसा ही हथियार बनाएं जैसे वो इंसास राइफल को 15 सेकंड में खोलकर जोड़ लेते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस ड्रोन वॉरफेयर स्कूल में दो मुख्य कोर्स हैं- जवानों के लिए ड्रोन कमांडो और अफसरों के लिए ड्रोन वॉरियर्स। स्कूल में तीन विंग हैं जो कि फ्लाइंग व पायलटिंग, रणनीति और रिसर्च एंड

डेवलपमेंट हैं। शमशेर सिंह ने बताया कि जवान ड्रोन को हथियार की तरह ले जा सकेंगे। वे इससे निगरानी, गश्त, दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने और जरूरत पड़ने पर बम गिराने का काम करेंगे।

बनाए जा रहे खास तरह के ड्रोन

बीएसएफ ड्रोन को बड़े स्तर पर शामिल करने के लिए कई कदम उठा रही है। दिल्ली और कानपुर के आईआईटी के साथ मिलकर बीएसएफ अपने ड्रोन बना रही है, जिनमें हथियार, बम और हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे लगाए जाएंगे। टेकनपुर में रुस्तम जी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ड्रोन टेक्नोलॉजी लैब बनाया गया है। यहां भारत-पाकिस्तान सीमा पर मार गिराए गए ड्रोन्स से मिले डेटा और फॉरेंसिक्स पर काम किया जा रहा है। बीएसएफ का पुलिस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर भी ड्रोन को हमलावर ऑपरेशन में इस्तेमाल करने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। सीनियर बीएसएफ अफसर ने बताया कि वो तेज गति वाले ड्रोन पर काम कर रहे हैं, जिनमें बंदूकें लगाई जा सकें। ऐसे ड्रोन बनाए जा रहे हैं जो 500 किमी तक निगरानी कर सकें, कांटेदार तारों तक की तस्वीरें ले सकें और 200 किलो तक वजन उठा सकें। ये सारी तकनीक सीमा पर गश्त व रक्षा को और मजबूत करेगी।

फरीदाबाद के बाटा चौक पर बनेगा नमो भारत ट्रेन का इंटरचेंज

फरीदाबाद, एजेंसी। स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में मेट्रो परियोजना के बाद जल्द नमो भारत परियोजना पर काम शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की ओर से सर्वे का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। परियोजना के तहत बाटा चौक पर नमो भारत का इंटरचेंज बनेगा।

यहां से नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को जोड़ा जाएगा। अगले सप्ताह इस पर कैबिनेट की मुहर लगने की संभावना है। इसके बाद फरीदाबाद की एनसीआर में मजबूत कनेक्टिविटी होगी। शहर में कनेक्टीविटी के तौर सार्वजनिक परिवहन सेवा का काफी अभाव है। गुरुग्राम जाने के लिए लोगों को अभी पहले दिल्ली के राजीव चौक या केंद्रीसय सचिवालय जाना पड़ता है। वहां से दूसरे मेट्रो बदल कर गुरुग्राम और नोएडा पहुंचते हैं। ऐसे में आधे घंटे का समय तय करने में लोगों को दो से तीन घंटे लग जाते हैं। कैब से गुरुग्राम आवाजाही करना महिलाओं के लिए रात के अक्सर असुरक्षित होता है। दूसरी तरफ नोएडा के हवाई अड्डे के अगले माह से शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में केंद्र सरकार की ओर से फरीदाबाद की गुरुग्राम और नोएडा की बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने की तैयारी की गई है। फरीदाबाद और गुरुग्राम में मेट्रो के साथ बाटा चौक मेट्रो स्टेशन के साथ इंटरचेंज स्टेशन बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों को को सुविधा होगी। नमो भारत ट्रेन चलने से गुरुग्राम, मानेसर, धारूहेड़ा, भिवाड़ी और फरीदाबाद की औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले लाखों कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा।

फरीदाबाद में टूटेंगी 100 दुकानें, रेलवे रोड चौड़ा करने को नगर निगम ने लगाए नोटिस

दुकानदारों में हड़कंप

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद नगर निगम प्रशासन रेलवे रोड को चौड़ा करने जा रहा है। इसके लिए रेलवे की जमीन पर कब्जा कर बनाई गई सौ दुकानों पर बुलडोजर चलाकर तोड़ा जाएगा।नगर निगम प्रशासन ने इन सभी दुकानों पर नोटिस लगा दिए हैं। इससे दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है।

गांधी कॉलोनी के सामने रेलवे रोड पर भगत सिंह चौक से लेकर ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास तक दुकानें बनी हुई हैं। ये दुकानें गांधी कॉलोनी में आती हैं। एनआईटी-पांच भगत सिंह चौक से लेकर थोड़ा आगे तक यह सड़क चार लेन हैं, लेकिन आगे चलकर यह सड़क संकरी है। फरीदाबाद रेलवे स्टेशन की इमारत नए सिरे से बनाई जा रही है। इस कारण अब रेलवे रोड को भी चौड़ा करने की तैयारी चल रही है।

यह प्रक्रिया स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत भी शुरू हुई थी, लेकिन तब कार्य नहीं हो पाया था।

चार लेन की रोड बनेगी

भगत सिंह चौक से आगे तक यह चार लेन की रोड है। अब इसे ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास तक चार लेन का बनाया जाएगा। चार लेन का बनाने के साथ-साथ इसका सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। यहां पर नई सीवर लाइन भी डाली जा सकती है, क्योंकि यहां पर बार-बार सीवर जाम होता है। इससे आम लोगों के साथ-साथ रेलवे यात्रियों को भी आवागमन करने में परेशानी होती है। धीरेंद्र खड़गटा, आयुक्त, नगर निगम, रेलवे के अधिकारियों से बातचीत चल रही है। यह रेलवे की जमीन है। नया रेलवे स्टेशन बनाया जा रहा है तो नए सिरे से यहां सड़क की जरूरत है।

आतिशबाजी दुकानों पर जीएसटी पंजीयन की अनिवार्यता नियम विरुद्ध: प्रदीप गंगा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा नुमाइश मैदान की दुकानों में लगने वाले आतिशबाजी बाजार में प्रत्येक अस्थाई दुकानदार को जीएसटी पंजीयन अनिवार्य रुप से कराएं जाने के विरोध में

एक ज्ञापन एडिशनल कमिश्नर वाणिज्य कर ग्रेड टू श्याम सुंदर तिवारी जी को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा के नेतृत्व में दिया गया। जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा ने कहा कि अलीगढ़ में नुमाइश ग्राउंड की पक्की दुकानों में हर साल दीपावली पर आतिशबाजी की दुकानें लगाई जाती है। जिससे शहर के लोग पटाखे खरीद कर अपना त्योहार मना सके पूर्व में बाजारों में छोटे-छोटे व्यापारी पटाखे की दुकान लगाकर आम जनता को त्योहार की सामग्री व आतिशबाजी उपलब्ध कराते थे जिससे आम जनता हर्श -उल्लास से त्योहार मनाती थी परंतु अलीगढ़ में हुए हादसे के वाद अलीगढ़ प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर आतिशबाजी शहर के विभिन्न स्थानों पर बेचने की जगह नुमाइश ग्राउंड में आतिशबाजी का बाजार लगाने का फैसला किया जिस शहर में कोई दुर्घटना ना हो सके।

नुमाइश ग्राउंड मेंआतिशबाजी बेचने वाले अधिकांश व्यापारी छोटे व मझोलें लोकल शहर के व्यापारी हैं जो त्यौहार मनाने के स्थान अपने परिवार के साथ आतिशबाजी बेचकर समाज की सेवा करते हैं जब सभी लोग त्यौहार की छुट्टी व हर्षोल्लास में लगे होते हैं तब यह व्यापारी अपने परिवार के साथ आतिशबाजी बेचने के माध्यम से समाज की सेवा में लगे रहते हैं तथा अपने परिवार की जीविका अर्जन के लिए संघर्ष करते हैं नुमाइश ग्राउंड में प्रशासन द्वारा आतिशबाजी अस्थाई रूप से अधिकतम 10 दिनों के लिए बिक्री की व्यवस्था की जाती है।

प्रदेश संगठन मंत्री हरिकिशन अग्रवाल व जिला महामंत्री एमए खान गांधी ने कहा जीएसटी विभाग अव छोटे छोटे दुकानदारों के उत्पीड़न की सोच रहा है जिसे व्यापार मंडल किसी भी हाल में पूरा नही होने देगा चाहे हमें सड़कों पर बैठकर आंदोलन करना पड़े। हम छोटे-छोटे दुकानदारों का जीएसटी मे पंजीकरण नहीं होने देंगे जीएसटी विभाग वगैर किसी शासनादेश के आतिशबाजी फुटकर विक्रेताओं को पंजीयन के लिए मजवूर नहीं कर सकता।

ज्ञापन देने वालों में युवा जिला चैयरमैन मुनेश पाल सिंह, युवा जिलाध्यक्ष सन्तोष वार्ष्णेय, युवा महानगर अध्यक्ष कमल गुप्ता वावा, युवा जिला महामंत्री उमेश गौड़, प्रणय शर्मा, विजय वार्ष्णेय,संजय कुमार, सुमित वार्ष्णेय, टिंकू वरौला, मो जाकिर, गोरव, तरून,मो शाहिद , विजय कुमार,पूरन सिंह सुवोध गुप्ता, चिराग गुप्ता, मोहित, पंकज,अकूंर, पीयुश,आदि मौजूद थे।

सेवाभवन में गंदगी टूटे फनीचर व गमलों को देख भड़के नगर आयुक्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर निगम की सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले सेवा भवन कार्यालय की साफ सफ़ाई को लेकर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने आज दोपहर बाद जनसुनवाई के उपरांत अचानक निरीक्षण किया। नगर आयुक्त द्वितीय तल पर पहुंचे जहाँ निर्माण विभाग अपर नगर आयुक्त कार्यालय मुख्य अभियंता संपत्ति विभाग नजारत और विधि विभाग के कई पटल स्थित हैं।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने विभिन्न कार्यालयों के बाहर की स्थिति का भौतिक सत्यापन किया। निरीक्षण में नगर आयुक्त को निर्माण विभाग में लिफ्ट के पास, मुख्य अभियंता कार्यालय के बाहर गंदगी, टूटे हुए फर्नीचर और सूखे गमले पड़े मिले। वहीं सीढ़ियों पर कई स्थानों पर पान और गुटखे की पिक देखी गई जिस पर उन्होंने कड़ी नाराज़गी व्यक्त की। इस पर उन्होंने नजारत प्रभारी अधिकारी को 48 घंटे के भीतर विशेष अभियान चलाकर सेवाभवन की सफाई व्यवस्था दुरुश्त करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय में पान गुटखा आदि का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित है। यदि कोई कर्मचारी गुटखा खाकर पिक करता पाया गया तो उसके विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यालय की स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रत्येक कर्मचारी की है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना पुलिस ने रविवार को चोरी की बाइक के साथ एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दिल्ली से चुराई गई एक बाइक बरामद हुई है। लोनी थाना पुलिस रविवार को लोनी किराए पर वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक बाइक पर आ रहे युवक को जांच के लिए रुकने का इशारा किया। जिस पर युवक ने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा कर युवक को धर दबोचा। जांच करने पर बाइक के दिल्ली से चोरी होने का पता चला। पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले आई। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सलीम उर्फ सोनू निवासी बलराम नगर लोनी बताया। उसने बाइक को कुछ दिन पहले गोकुलपुर दिल्ली से चुराना स्वीकार किया है।

महिला का क्रेडिट कार्ड बदलकर 43 हजार रुपये निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में मौजूद युवक ने महिला का क्रेडिट कार्ड बदलकर 43 हजार रुपये खाते से निकाल लिए। महिला द्वारा पासबुक में एंट्री कराने पर अपने साथ हुई ठगी का पता चला। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। टीला मोड़ थाना क्षेत्र की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी बीना 16 सितंबर सुबह 11 बजे लोनी गाजियाबाद मार्ग पर टीला शाहबाज पुर गांव स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से पैसे निकालने गई थी। उन्होंने बताया कि उस समय एटीएम के अंदर एक युवक भी मौजूद था। उनके द्वारा मशीन में कार्ड लगाते समय किसी कारणवश कार्ड नहीं लग सका तो पीछे खड़े युवक ने उनकी मदद करने के बहाने से कार्ड बदल दिया। कार्ड बदले जाने पर वह पैसे नहीं निकाल सकी और बिना पैसे निकल ही घर लौट आई। पीड़िता ने बताया कि 19 सितंबर को वह दिलशाद गार्डन दिल्ली स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में पासबुक में एंट्री करने गई तो उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चला। आरोपी युवक ने उनका कार्ड बदलकर खाते से 43 हजार रुपये निकाल लिए थे। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चांदपुर से बास्टा रोड में गड्ढे या यूं कहे गड्ढों में सड़क

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। चांदपुर से बास्टा जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों गड्ढों से भरा पड़ा है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिससे आए दिन वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब सड़क की वजह से आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। बारिश के मौसम में स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क दिखाई ही नहीं देती। बड़ा सवाल इस राश्ते पर स्कूल भी मौजूद हैं, जन प्रतिनिधि ने क्यों चुप्पी साधे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ताकि लोगों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

हर्षोल्लास से मनाई महाराज अग्रसेन जयंती

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जनपद बिजनौर परिवार द्वारा वैश्य

शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलने का संकल्प भी लिया। अग्र बंधुओ महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण किया व सभी अग्र बंधुओ ने एक दूसरे को महाराजा अग्रसेन जयंती व शारदीय नवरात्रों की बधाई दी। जिला अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल एडवोकेट ने महाराजा अग्रसेन जी के जीवन काल पर प्रकाश डाला तथा उनके बताएं मार्ग पर चलने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल एडवोकेट की अध्यक्षता एवं प्रधान जिला महामंत्री तुषार अग्रवाल के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में युवा प्रदेश सचिव आदित्य अग्रवाल, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, संतोष गुप्ता, चित्रांश अग्रवाल, अर्चित अग्रवाल, सार्थक अग्रवाल, अनमोल गुप्ता, आयुष बंसल आदि रहे।

ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 संत मोहनदास का सत्संग आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 परम संत श्री मोहन दास जी महाराज लक्ष्मण झूला वालों का भव्य सत्संग कार्यक्रम आयोजित हुआ। सत्संग

का शुभारंभ शुरुआत भजन–वाणी से हुआ। संगीतकार ने श्री गुरुजी के मनमोहक भजन प्रश्तुत किए। सायंकाल नगर के भारत पेट्रोल पंप के सामने गणेश मार्केट स्थित सत्संगी डॉ. अशोक कुमार शर्मा के निवास पर आयोजित श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। सत्संगी बंधुओं ने साधना, आरती और प्रार्थना में हिस्सा लिया। वक्ताओं ने कहा कि "सत्संग से मन को शांति, आत्मा को बल और जीवन को सही दिशा मिलती है। ऐसे आयोजन समाज को आध्यात्मिक एकता से जोड़ते हैं।" सत्संग गद्दी पर ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 परम संत श्री मोहन दास जी महाराज और ब्रह्मलीन स्वामी गिरधारी लाल महाराज जी के चित्र के समक्ष आरती की गई। पुजारी क्षेत्रपाल बंटी, राजेश पुजारी व आशाराम पुजारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया।

प्राइमरी स्कूल के पीछे झाड़ियां से महिला का शव

आला अधिकारियों ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, क्षेत्र में फैली सनसनी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

कोतवाली शहर थाना क्षेत्र के बक्शीवाला में सोमवार शाम को एक अज्ञात महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव प्राथमिक विद्यालय के पीछे झाड़ियों में पड़ा हुआ था और उसके क्षत-विक्षत हालात से अंदेशा जताया जा रहा है कि मौत को कई दिन हो चुके हैं। शव से उठ रही तेज दुर्गंध ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी।

स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में क्षेत्रीय पुलिस बल के साथ-साथ आला अधिकारी और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद शव को

बाहर निकालकर कब्जे में लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

महिला की शिनाख्त फिलहाल नहीं हो पाई है। उसके शरीर पर नीले रंग का लोअर और लाल रंग की आधी बाजू की टी-शर्ट थी। महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। शव खराब हालत में था और दुर्गंध इतनी थी कि आसपास भारी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

स्थानीय लोगों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोगों का कहना है कि महिला की हत्या कर शव यहां फेंका गया हो सकता है। जबकि कुछ लोगों का मानना है कि किसी अन्य घटना का शिकार हुई महिला को यहां छिपाने की कोशिश की गई है। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत का सही कारण और घटना की प्रकृति का खुलासा हो सकेगा। घटना से इलाके में भय और दहशत का माहौल है।

विधायक पति ऐश्वर्या चौधरी ने किया रामलीला मंचन का उद्घाटन

एनसीआर टुडे. झालू। नगर में रविवार रात धार्मिक उल्लास और सांस्कृतिक धरोहर का अद्भुत संगम देखने को मिला। आतिशबाजी और भक्तिमय जयकारों के बीच रामलीला नाटक समाज का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर विधायक पति ऐश्वर्या चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और दीप प्रज्ज्वलन कर मंचन का उद्घाटन किया।

रविवार देर रात ठीक 9:00 बजे आतिशबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल में रामलीला नाटक समाज का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक पति ऐश्वर्या चौधरी ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन किया। समारोह में उन्होंने आयोजन समिति को 21 हजार रुपये और साजिंदों को 3 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि विधायक निधि से 11 लाख रुपये रामलीला मंचन स्थल के सौंदर्यकरण व आवश्यक सुविधाओं हेतु उपलब्ध कराए जाएंगे। मौसम ऐश्वर्या चौधरी ने कहा।रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। भगवान राम के आदर्श हमें जीवन में सत्य, साहस और मर्यादा का मार्ग दिखाते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि झालू नगर इस परंपरा को इतनी श्रद्धा से निभा रहा है।"

बदमाश ने टंकी के चौकीदार पर झोंका फायर, जांघ को चीरते हुए निकल गई गोली

घर से टंकी पर जा रहा था चौकीदार बीच रास्ते में दिया वारदात को अंजाम

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ग्राम नरगदी में बन रही पानी की टंकी की रखवाली करने वाले चौकीदार को अज्ञात बदमाश ने गोली मार दी। गोली लगने की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे बिजनोर रेफर कर दिया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार क्षेत्र के ग्राम नरगदी गंधु में बन रही पानी की टंकी पर गांव का ही विकास पुत्र ध्यानचंद सिंह 45 वर्ष चौकीदारी करता है। बताया जाता है कि बीती रात करीब साढे नौ बजे जब वह घर से टंकी पर जा रहा था। तभी अचानक अज्ञात बदमाश ने पीछे से उसे गोली मार दी। गोली उसकी दाहिनी जांघ को चीरती हुई निकल गई। जिसे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

विकास ने फोन कर सूचना परिजनों को दी। सूचना पर परिजन व बडी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। मामले की सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घायल को तुरंत सीएचसी नहटौर में भर्ती कराया। जहां से उसकी हालत गंभीर देखते जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने मामले की जान पड़ताल शुरू कर दी है।

सबदलपुर में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पेड़ से लटका मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

थाना स्योहारा क्षेत्र में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान भूदेव सिंह (45) सब्दलपुर गांव के रूप में हुई है। उनका शव घर से करीब 1 किमी दूर जंगल में पेड़ से लटका मिला।

परिजनों के अनुसार भूदेव सिंह रविवार सुबह घर से काम पर जाने की बात कहकर निकले थे। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटे तो परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू की। आज सुबह ग्रामीणों ने उनका शव जंगल में पेड़ से लटका हुआ देखा और परिजनों को सूचना दी। भूदेव की मौत की खबर सुनकर परिजन बेसुध हो गए। घर में कोहराम मच गया है। और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक मजदूरी करता था और उसके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भूदेव की आत्महत्या का कारण अभी तक साफ नहीं हो पाया है। मृतक के परिजन सत्यपाल सिंह ने बताया कि घर में किसी से कोई रंजिश नहीं थी। फिलहाल मामला आत्महत्या का लग रहा है। लेकिन कारण स्पष्ट नहीं है।

शांति भंग करने की कोशिश नाकाम, पुलिस ने दिखाई सख्ती

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

स्योहारा थाना पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए छह उपद्रवी तत्वों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के मुताबिक रविवार की रात करीब 10:30 बजे थाना स्योहारा के मुख्य द्वार पर कुछ व्यक्तियों द्वारा उपद्रव किया जा रहा था। मौके पर तैनात उपनिरीक्षक प्रमोद शर्मा ने जब इनसे उपद्रव का कारण जानने का प्रयास किया तो अभियुक्तों ने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी।

थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में थाना स्योहारा पर आरोपियों पर बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले की विवेचना की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक कुलवीर सिंह को सौंपी गई है।

दर्ज मुकदमे में प्रदीप चौहान पुत्र रामकरण सिंह निवासी मौजा मोटा महादेव जनपद बिजनौर, अमित चौहान उर्फ बिल्लू चौहान पुत्र ओमप्रकाश सिंह निवासी ग्राम खेडी थाना ककरौली जनपद मुजफ्फरनगर, नितिन चौहान पुत्र कामेन्द्र सिंह निवासी मौजमपुर जैतरा थाना धामपुर, शादान उर्फ भूरी पुत्र सलीम निवासी शेखान थाना स्योहारा, वकील अहमद पुत्र सलीम अहमद निवासी शेखान तथा अजीत पुत्र धर्मपाल सिंह निवासी ग्राम दौलताबाद थाना स्योहारा को नामजद किया गया।

सोमवार को थाना स्योहारा पुलिस ने इन सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों को शांति व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से विधिक कार्रवाई करते हुए धामपुर के उपजिलाधिकारी न्यायालय के समक्ष पेश किया है। स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कस्तूरबा विद्यालय में मिशन शक्ति का जागरूकता कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कश्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पुरैनी में आज मिशन शक्ति विशेष अभियान वर्ष 2025-26 के 5वें चरण के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को समर्पित एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण माँ दुर्गा के नौ रूपों पर आधारित नुक्कड़ नाटक रहा। छात्राओं ने शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री का सजीव मंचन कर देवी के रूपों के माध्यम से नारी शक्ति, आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। इसके बाद छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ बालिकाओं ने नारी सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुँचाया। रैली ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया और मिशन शक्ति के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्रचारित किया। विद्यालय की वार्डन सुषमा रानी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास जगाते हैं और उन्हें समाज में अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से समझने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कांग्रेस की जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने वोट चोरी पर की प्रेसवार्ता

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कांग्रेस कार्यालय नगीना पर कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बिजनौर हेनरीता राजीव सिंह द्वारा वोट चोरी को लेकर एक प्रेसवार्ता की गई। जिसमें जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने राहुल गांधी की बात को दोहराते हुए कहा कि देश में जो सरकार चल रही है वह सरकार वोट चोरी से बनी है।

इ स के सबूत राहुल गांधी जी ने देश की जनता के सामने रखे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता में बने रहने के लिए लोकतंत्र की हत्या की है। मतदाता सूचियों में धांधली कर वोट चोरी की साज़िशें रची जा रही हैं। जनता का जनादेश छीनकर कुर्सी पर काबिज रहना लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात है।

कांग्रेस इस 'वोट चोरी' को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता की आवाज़ और वोट की ताक़त को कुचलने का हर प्रयास कांग्रेस कार्यकर्ता जमीनी संघर्ष के ज़रिए नाकाम करेंगे। पूरे देश तथा जनपद बिजनौर में भी हश्ताक्षर अ भि या न चला या जा रहा हैं। इस लड़ाई को गाँव गाँव गली-मोहल्ले तक पहुंचाएंगे।

नगीना में भी 22 सितंबर से हश्ताक्षर अभियान की शुरुआत की जा रही है । पूर्व आईएएसआरके सिंह ने कहा कि नगीना (बिजनौर) की धरती से हम एलान करते हैं – 'वोट चोर, गद्दी छोड़' – यह सिर्फ़ नारा नहीं बल्कि जनता का गूंजता हुआ जनादेश है। यह हश्ताक्षर अभियान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनता के लिए लोकतंत्र बचाने की दिशा में एक मज़बूत शुरुआत है।

जिला अध्यक्ष बिजनौर हेनरीता राजीव सिंह व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं तथा नगर कांग्रेस कमेटी नगीना के नगर अध्यक्ष अब्दुल वाहिद अंसारी के नेतृत्व में सोमवार को मंडी मौलगंज नगीना से "वोट चोर गद्दी छोड़" हश्ताक्षर अभियान चलाया।

जिसके के दौरान सैकड़ो नागरिकों ने हश्ताक्षर कर भाजपा की धांधली और वोट चोरी की साज़िशों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया। लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लिया।इस दौरान प्रेस वार्ता में कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बिजनौर हेनरीता राजीव सिंह व पूर्व आईएएसआरके सिंह, जिला महासचिव प्रदीप ठाकुर संगठन प्रभारी जावेद अंसारी, नगर अध्यक्ष वाहिद अंसारी, विधानसभा प्रभारी शेख अंजार, ब्लॉक अध्यक्ष हाजी एहसान, जिला उपाध्यक्ष मिसबाबुल हसन, डॉक्टर नईम, शमशुद्दीन कुरैशी कल्लू भाई आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री कपिल देव की अध्यक्षता में नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन की बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

प्रभारी मंत्री जिला बिजनौर कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वाह्न 11:00 बजे नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति-5.0 कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई।

इस अवसर पर बिजनौर विधायक श्रीमती सूचि चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान, जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर/ जिला सूचना अधिकारी हर्ष चावला सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम से पूर्व जिलाधिकारी श्रीमती कौर द्वारा मान्य प्रभारी मंत्री जी का बुके देकर स्वागत किया गया। सभागार में मिशन शक्ति-5.0 कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। सभागार में उपस्थित जन प्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस एवं विभागीय अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा मात्र शक्ति द्वारा देखा गया।

मा. मंत्री जी श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रदेश में सुरक्षित, सम्मान जनक तथा भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने और उनको आत्मनिर्भर व स्वलांबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति-5.0 अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न थानों में एंटी-रोमियो टीमों द्वारा पुलिस पाठशाला (चौपाल) का आयोजन किया जा रहा है।, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

उन्होंने मिशन शक्ति-5.0 के मुख्य उद्देश्य की जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा प्रदान करना। उनकी समस्याओं का निश्तारण करना, महिलाओं और बालिकाओं को सम्मान दिलाना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना। महिलाओं और बालिकाओं को स्वावलंबी बनाना और उन्हें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सशक्त बनाना है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मिशन शक्ति-5.0 के तहत साइबर अपराध से संबंधित मामलों के निश्तारण के लिए 'ऑपरेशन गरुण', एसिड की अवैध बिक्री के खिलाफ 'ऑपरेशन शील्ड', स्कूल-कॉलेजों के आसपास अवांछनीय तत्वों के खिलाफ'ऑपरेशन मजनू', 'ऑपरेशन रक्षा' मानव तस्करी कर लायी गई महिलाओं और बालिकाओं को बचाने के लिए। 'ऑपरेशन ईगल' महिला अपराधों में वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई, अश्लील सामग्री की चेकिंग और नियंत्रण के लिए 'ऑपरेशन डेस्ट्राय' सहित महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वलांबी बनाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। ताकि उनमें आत्मविश्वास पैदा हो और बेटियां बेख़ौफ़ हो कर अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकें। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और उनमें आत्मविश्वास की भावना को बलवती बनाने के लिए 1090, 112, 181, 1076, 1098, 108, 102 तथा 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जारी कर 24 घंटे सहायता उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान कराई गई है।

मिशन शक्ति-5.0 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है।, जैसे कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तथा राष्ट्रीय पोषण योजना एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति-5.0 इस अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को स्वस्थ, सशक्त एवं स्वलांबी व आत्मनिर्भर बनाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का सफलतापूर्वक जो प्रयास किए गए हैं, आज उनके परिणाम सबके सामने हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार के इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में महिलाओं ने हर जगह अपना सम्मान जनक एवं प्रभावी स्थान सृजित किया है।

कार्यक्रम के अंत में माननीय प्रभारी मंत्री जी द्वारा पुलिस परामर्शदाता केंद्र, बिजनौर में कार्यरत महिला कांस्टेबल सुश्री आशु को 215 से अधिक परिवारों के पुनर्मिलन के सफल प्रयास के उत्कृष्ट कार्य के फलस्वरुप प्रशश्ति पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा विश्वास दिलाते हुए कहा गया कि मिशन शक्ति-5.0 अभियान को पूरे जिले में माननीय मुख्यमंत्री की द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों एवं प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में अंतर्विभागीय समन्वय के साथ संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी श्रीमती कौर द्वारा सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम के दौरान जिला अर्थ एवं संख्या विभाग द्वारा 'विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश' नमक पुश्तिका एवं फोल्डर का वितरण भी किया।

अहमद हसन सदा के लिए अलविदा

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

समाज सेवी मोहम्मद शहज़ाद के पिता और मोहल्ला मंसूरसराय के प्रतिष्ठित निवासी अहमद हसन का लंबी बीमारी के बाद आज देर रात निधन हो गया। उनका निधन शनिवार रात लगभग 11 बजे हृदय गति रुकने से हुआ।

अहमद हसन एक नेकदिल और खुशमिज़ाज इंसान के रूप में जाने जाते थे। वह छोटे-बड़े सभी से मोहब्बत से पेश आते थे, जिस कारण उनके निधन की खबर ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे मोहल्ले में गहरा शोक छोड़ दिया है। उनके परिवार में छह बेटियाँ और तीन बेटे हैं, जो इस दुःख की घड़ी में रो-रो कर अपना बुरा हाल किए हुए हैं। उन्हें रविवार को नमाज़ जोहर के बाद स्थानीय कब्रिश्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उनके असंख्य प्रशंसकों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों ने भाग लिया, जिससे उनके व्यापक सामाजिक सम्मान का परिचय मिलता है। अहमद हसन के जाने से समुदाय ने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है जिनका हृदय सभी के लिए समान रूप से धड़कता था। उनकी स्मृति को समुदाय सदैव संजोकर रखेगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते हैं।

1	निविदा संख्या	322391
2	कार्य का नाम और कार्य स्थान	बोगी शॉप की डिसअसेंबली और असेंबली लाइन की आउटसोर्सिंग जिसमें पेंटिंग, डैम्पर परीक्षण और कोच को नीचे चढ़ाना और उठाना शामिल है आरसीएनके में।
3	अनुमानित लागत	रुपये 5,97,28,684.28/- जीएसटी @ 18% सहित
4	बयाना राशि	रु. 4,48,700/-
5	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
6	कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से चौबीस महीने।
7	निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनांक 13.10.2025 खुलने का समय 15:00 बजे।
8	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in
9	यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

सं.: 322391 दिनांक: 22.09.2025 2914/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

अमेरिका के लिए आत्मघाती होंगी ट्रम्प की नीतियां

अमेरिकी इतिहास जब लिखा जाएगा तो लिखा जाएगा कि एक राष्ट्रपति ऐसे बने थे, जो दुनिया बदल डालने, अपनी उंगली पर नचाने की हनक पाले हुए थे, परंतु खुद भी मजाक के पात्र बन गए थे। आज डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी इतिहास के सबसे हास्यापद राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते हैं, ट्रम्प सुबह पाकिस्तान के साथ होते हैं तो शाम को भारत के पक्ष में हो जाते हैं।

कभी चाइना के राष्ट्रपति की तारीफों के पुल बांधने लगते हैं तो कभी रसिया के राष्ट्रपति के सम्मान में नारे लगाने लगते हैं। कभी भारत को मित्र बताते हैं तो कभी भारत को सबसे बड़ा दुश्मन... समझ नहीं आता कि ट्रम्प ऐसा क्यों कर रहे हैं। जब से ट्रम्प दोबारा राष्ट्रपति बने हैं, तब से ऐसा कोई भी दिन नहीं गया जिस दिन उन्होंने भारत के खिलाफ़ गलत बयानी न किया हो। पहले 50% टैरिफ लगा दिया, और अब एच-1 वीजा में सख्ती लगा दी है। ट्रम्प भली भांति जानते हैं कि दक्षिण एशिया में चीन की दादागिरी के सामने अगर कोई टिक सकता है तो वो केवल और केवल भारत है।

अन्यथा दक्षिणी एशिया में चाइना अमेरिका की धज्जियाँ उड़ा देगा। ट्रम्प हर दिन भारतीय मीडिया में छाए रहते हैं। आजकल अपनी वीजा पॉलिसी के लिए खबरों में हैं। हर दिन ट्रम्प भारत के खिलाफ़ निर्णय लेते हैं जिससे भारत के बाज़ार में हलचल हो भारतीय लोगों को परेशानी का कारण पड़ता है। ट्रम्प को भूलना नहीं चाहिए कि भारत एक संप्रभुता वाला राष्ट्र है,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच1-बी वीजा को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एच1-बी वीजा के लिए आवेदन शुल्क को बढ़ाकर 100000 डॉलर यानी लगभग 84 लाख रुपये कर दिया गया है। इस घोषणा के बाद अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका में एच1बी वीजा धारकों की सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है, जिन्हें अब अपनी नौकरी पर खतरा नजर आ रहा है।

असमंजस की स्थिति और बढ़ गई जब अमेरिकी दिग्गज कंपनियों ने कर्मचारियों को 20 सितम्बर तक हर हाल में अमेरिका वापस लौटने की सलाह दी। इस बीच व्हॉइट हाउस ने बयान जारी कर स्थिति को साफ किया है। व्हॉइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने शनिवार को स्पष्ट किया है कि हाल ही में घोषित 10000 डॉलर का एच1-बी वीजा शुल्क केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा। उन्होंने साफ कहा कि यह वार्षिक शुल्क नहीं है। दरअसल ट्रंप की एच1-बी वीजा में व्यापक बदलाव की योजना ने भारतीय आईटी पेशेवरों और कंपनियों में यह आशंका पैदा कर दी है कि अमेरिका से बाहर रहने वाले वीजा होल्डर को वापस लौटने के लिए तत्काल समय सीमा का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को लेकर भारत में जबरदस्त हलचल हो गई है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय प्रोफेशनल्स एच-1बी वीजा प्रोग्राम के तहत अमेरिका में नौकरी करने जाते हैं। देखा जाए तो इस कदम से भारतीय परिवारों के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है। भारत सरकार ने उम्मीद जताई कि इन मुश्किलों को अमेरिकी अधिकारी सही ढंग से हल कर सकते हैं।

भारत और अमेरिका दोनों देशों के उद्योग जगत की इनोवेशन और क्रिएटिविटी में हिस्सेदारी है और उनसे आगे बढ़ने के बेहतर रास्ते पर परामर्श की उम्मीद की जा सकती है। स्किल्ड लोगों की आवाजाही ने अमेरिका और भारत में प्रौद्योगिकी विकास, इनोवेशन, आर्थिक वृद्धि, प्रतिस्पर्धा और संपन्नता बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इसलिए, नीति-निर्माता हाल के अमेरिकी फैसले का आकलन आपसी हितों को ध्यान में रखते हुए करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच गहरे पीपल -टू पीपल संबंध भी शामिल हैं।

एक बड़ी चिंता यह खड़ी हो गई है कि ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के बाद क्या भारत में ऐसे लोग जो अमेरिका जाकर काम करने की ख्वाहिश रखते हैं और सपना देखते हैं, उनका यह सपना टूट जाएगा क्योंकि कंपनियां किसी कर्मचारी के लिए इतनी बड़ी राशि का भुगतान करने के लिए शायद तैयार नहीं होगी। यह फैसला 21 सितंबर से लागू होगा। कहा जा रहा है कि अमेरिका के इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर ही होगा। दो लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधे तौर पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी आईटी कंपनियों में काम करने वालों पर असर पड़ेगा। अब अमेरिका में कम नौकरियों के अवसर होंगे।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में मास्टर या पीएचडी करने वाले छात्रों पर असर पड़ेगा। पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में सीमित अवसर होंगे। अगर आप पढ़ाई करने गए और वहां पर आप नौकरी का अवसर तलाशते हैं तो वो भी सीमित हो जाएंगे क्योंकि वरीयता होगी अमेरिका के लोगों को लिया जाए। भारतीय छात्रों और लोगों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा।

अमेरिका में करियर की शुरुआत करने वालों को दिक्कत होगी। अमेरिका में अधिकर भारतीय आईटी क्षेत्र में कार्यरत होते हैं। यानी कि जो लोग जो आईटी प्रोफेशनल्स है या फिर दूसरी कंपनी में काम करते हैं, उनके लिए सबसे ज्यादा इसका असर पड़ने वाला है। मिड-लेवल और एंट्री लेवल कर्मचारियों को वीजा मिलने में मुश्किल आएगी।

अमेरिकी कंपनियां नौकरियां दूसरे देशों से आउटसोर्स कर सकती हैं। यानी अब जो दूसरे देश है वहां पर भी इसका उनको अवसर मिलेगा, यानि भारतीयों को भारत के लोगों को इसका सीधा नुकसान हो रहा है। यह कदम केवल भारतीयों पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी असर डालेगा, इसका सीधा असर अमेरिका में भी पड़ेगा, वहाँ की आर्थिक स्थिति पर असर होगा, परंतु डोनाल्ड ट्रम्प ने ठान लिया है कि अमेरिका को चाहे जितना नुकसान हो जाए, चर्चा में बने रहने के लिए अनाप - शनाप निर्णय लेते रहेंगे। इसलिए कहना गलत नहीं कि अमेरिकी इतिहास के सबसे अपरिपक्व राष्ट्रपति सिद्ध होंगे।

ट्रंप ने टैरिफ के बाद वीजा शुल्क बढ़ाया : मोदी फेल

शकील अख्तर

भारत का युवा बोलेगा। आज नहीं तो कल बोलेगा कि उसे भी वैसी शिक्षा और फिर उसके बाद नौकरी के ऐसे अवसर क्यों नहीं मिल रहे? उसे पकौड़े बेचने की अपमानजनक सलाह क्यों दी जा रही है? आईआईटी से इंजीनियर बनने के बदले उसे आईटीआई से मेकेनिक क्यों बनाया जा रहा है?

जब नया नया सोशल मीडिया आया था तो लोग वहां हैप्पी बर्थ डे के मैसेज पाकर खुश हो जाते थे। केक फूल शैम्पेन की इमोजी देखकर खुद को मशहूर हस्ती समझने लगते थे। लेकिन अब सामान्य आदमी भी सच को समझ चुका है कि यह सारी मुबारकबादें ऐसी ही जिसे आज के युवा की भाषा में एवंई कहते हैं, होती है। मगर हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशों से जन्मदिन की बधाइयां पाकर अभी भी यह समझते हैं कि वे कोई वाकई बड़ी अन्तरराष्ट्रीय हस्ती हैं। विश्व गुरु जो वे कहते हैं उसका गुमान और बढ़ जाता है।

विदेश मंत्रालय में एक से एक काबिल अफसर हैं, जिन्होंने दुनिया देखी है, खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी, मगर किसी की हिम्मत नहीं होती कि वह बता सके कि यह एक सामान्य औपचारिकता है। दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भी ऐसी ही बधाइयां मिलती हैं। और भारत तो एक बड़ा देश है इसलिए यहां के प्रधानमंत्री को मिलना स्वाभाविक है।

और यह तो कोई इशारों में भी नहीं बता सकता कि जैसे सोशल मीडिया पर जो ज्यादा ध्यान आकर्षण चाहता है लिख देता है कि मुझे दोगे बधाइयां उसे फिर लोग दे ही देते हैं।

जन्मदिन की बधाइयां कोई पैमाना नहीं आपके महत्वपूर्ण होने का। मगर हमारे यहां जिस तरह से गोदी मीडिया ने खुशियां मनाई, भक्त एक-एक बधाई गिनकर शोर मचाने लगे कि देखो कितना मानते हैं दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष हमारे मोदी जी को और फिर खुद मोदी जी ने एक एक राष्ट्राध्यक्ष को दिए धन्यवाद को जिस तरह प्रचारित किया गया वह ऐसा था जैसे इसके जरिए आप विश्व विजय की घोषणा कर रहे हों। खासतौर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जन्मदिन की बधाई तो ऐसे बताई गई कि जैसे ट्रंप ने आत्म समर्पण कर दिया हो। जैसे राजा का जन्मदिन होता था तो खुश होकर कुछ दे या न दे मगर नाराज होने पर सज़ा जरूर दे देता था।

वैसे ही पेश किया गया कि ट्रंप समझ गया कि अगर मोदी जी नाराज हो गए तो फिर बस समझ लेना खैर नहीं। डर कर ट्रंप ने फोन किया। मगर दो दिन भी नहीं बीते और ट्रंप ने फिर बता दिया कि वह अपने लिए नारे लगाने वाले मोदी को एक चुनाव प्रचार करने वाले से ज्यादा नहीं समझ रहा।

पचास प्रतिशत टैरिफ के बाद भारतीयों के लिए वीजा एच -1बी की फीस सौ गुना तक बढ़ा दी। एक लाख डालर। मतलब लगभग 90 लाख रूपए। और यह जब आप सुबह इन पंक्तियों को पढ़ रहे होंगे तो लागू हो चुका होगा। पहले इस वीजा के लिए छह लाख रुपए देना होता था। इसका सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर पड़ेगा।

भक्त और अब उसी तरह का हो चुका मीडिया कई तर्क लेकर सामने आया है कि यह सब देशों को लिए है। वह यह नहीं बता सकता कि सबसे ज्यादा टेक्नोक्रेट भारत ने बनाए थे। और 2014 से पहले। नेहरू द्वारा स्थापित आईआईटी ने। अभी विदेश में रह रहे एक डाक्टर और लेखक प्रवीण झा ने बहुत अच्छा लिखा है कि एक अमेरिकी टीवी पत्रकार ने कहा कि 'हम सऊदी अरब से तेल मंगाते हैं, जापान से गाड़ियां, स्काटलैंड से व्हिस्की, लेकिन आपको मालूम है हम भारत से कौन सी बेशकीमती चीज मंगाते हैं? हम मंगाते हैं वहां के लोग। दुनिया के सबसे दिमागी और परिश्रमी इंजीनियर जो भारत से आते हैं।'

और यह सारे इंजीनियर नेहरू द्वारा स्थापित आईआईटी से निकले हैं। मोदी जी ने इनका मजाक उड़ाने में भी कोई कसर नहीं रखी कहा

आईआईटी नहीं आईटीआई चाहिए। वही खोल देते! लेकिन केवल बातें! नेहरू को नीचा दिखाने के लिए उनकी हर बात का विरोध। मगर अब शायद चलेगा नहीं!

वीजा की यह नई फीस लाखों भारतीयों को अमेरिका छोड़ने पर मजबूर कर देगी। बता दें कि इस वीजा प्रणाली के अन्तर्गत 75 प्रतिशत वीजा भारतीयों को मिलते थे। इसलिए गोदी मीडिया के इस बचाव में कोई दम नहीं है कि शुल्क पूरी दुनिया के लिए बढ़ाया गया है। जहां नेहरू, इन्दिरा गांधी जैसे नेता ही नहीं हुए जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में इतना काम किया है और खासतौर से उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा में जिससे वहां ऐसे आईटी, हेल्थ, फाइनेंस इंजीनियरिंग, विज्ञान जैसे क्षेत्रों के प्रोफेशनल निकल पाए हों।

भारत का युवा बोलेगा। आज नहीं तो कल बोलेगा कि उसे भी वैसी शिक्षा और फिर उसके बाद नौकरी के ऐसे अवसर क्यों नहीं मिल रहे? उसे पकौड़े बेचने की अपमानजनक सलाह क्यों दी जा रही है? आईआईटी से इंजीनियर बनने के बदले उसे आईटीआई से मेकेनिक क्यों बनाया जा रहा है?

बातें बातें केवल बातें! इससे देश के लोगों को तो बेवकूफ बनाया जा सकता है। विदेश के लोगों को नहीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कह दिया देश के पास एक कमजोर प्रधानमंत्री है।

बहुत बड़ा हमला। और राहुल ने कहा मैं रीपिट कर रहा हूं। मतलब चेतावनी। इससे पहले 2017 में राहुल ने मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री कहा था। विदेश नीति के साथ अमेरिका के इसी वीजा मामले में अमेरिका के सामने झुकने पर। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने इस मामले में और साफ बोला है।

उन्होंने कहा कि मोदी मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं होती। सही है। पिछले 11 साल से मोदी जी केवल अपनी छवि चमका रहे हैं। जबकि इससे पहले यह होता था कि सरकार देश के हित के लिए काम करती थी।

अपनी व्यक्तिगत छवि की चिन्ता किसी प्रधानमंत्री ने नहीं की। देश आगे बढ़ेगा, देश की जनता को फायदा होगा, युवा को रोजगार के अवसर मिलेंगे यही सब हर प्रधानमंत्री का उद्देश्य होता था।

यहां तो यह हुआ कि अपनी लकीर बढ़ी करने के चक्कर में प्रधानमंत्री बाकी सब प्रधानमंत्रियों की लकीरें छोटी करना शुरू कर दीं। देखिए कितने आश्चर्य की बात है कि अपनी ही पार्टी के वाजपेयी तक का नाम नहीं लेते। भाजपा में वाजपेयी से बड़ा कोई नेता नहीं हुआ। भाजपा के पहले प्रधानमंत्री थे।

मगर उनके नाम पर भी 11 साल में कुछ नहीं बनाया। ग्वालियर मध्य प्रदेश जहां के वे रहने वाले थे। उनका जन्म हुआ। पढ़े लिखे वहां भी उनके नाम पर कोई एक चीज नहीं बनाई गई। एचडी देवगौड़ा तो अभी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री उनके समर्थन में हैं।

मगर कभी उनकी तारीफ भी नहीं करते। बता सकते हैं कि जम्मू कश्मीर में शांति की वापसी में देवगौड़ा का महत्वपूर्ण रोल था।

प्रसंगवश बता दें कि आतंकवादियों से हथियार डलवाने में और कश्मीर के युवकों को पाकिस्तान से आने वाले आतंकवादियों से अलग करने में देवगौड़ा ने बड़ी भूमिका निभाई थी। उसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए वाजपेयी सरकार ने हुर्रियत कान्फ्रेंस से पहली बार अधिकृत बातचीत की थी।

अभी पुरानी सरकारों पर जबर्दस्ती सवाल उठाने के लिए यासिन मलिक को ले आए। इन्हें पता ही नहीं है कि यासिन मलिक जाने कितने सालों से हथियार छोड़कर खुद को गांधीवादी कहने लगा है। हुर्रियत से वह बातचीत गृह मंत्रालय के दफ्तर नार्थ ब्लाक में गृह मंत्री श्री आडवानी ने की थी। मगर सारे इतिहास को खत्म करके सब कुछ अपने नाम से कर लेने की लिप्सा ने अब वह दिन ला दिया है कि सीधा उन्हीं से कहा जाने लगा है कमजोर प्रधानमंत्री।

देश तक 2014 में आजाद बता दिया गया। खुद बोल दिया कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। हर चीज की एक हद होती है। लगता है अब वह आ गई। देश के नाम संबोधन हो रहा है। मगर अब देश की जनता और खासतौर से युवा, प्रोफेशनल या जिसे राहुल ने कहा है जेन जी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

न्याय की रीढ़ पर वार: क्यों जरूरी है अधिवक्ता संरक्षण कानून

पवन शुक्ला

अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की माँग उत्तर प्रदेश में लगातार तेज हो रही है। हापुड़ से वाराणसी तक हुई घटनाओं ने वकीलों की असुरक्षा को उजागर किया है। विधि आयोग और बार काउंसिल अपनी सिफ़ारिशें सरकार को दे चुके हैं। अब ज़रूरत है कि विधानमंडल तुरंत अधिनियम लागू कर न्यायपालिका की रीढ़ को मजबूती दे।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में वकील समाज का अभिन्न हिस्सा है। अदालत की चौखट पर जब आम नागरिक न्याय की उम्मीद लेकर पहुँचता है, तो उसका सबसे बड़ा सहारा अधिवक्ता ही होता है। अधिवक्ता न केवल अपने मुवक्किल का पक्ष रखते हैं, बल्कि न्यायपालिका और जनसाधारण के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। किंतु दुखद है कि जो वर्ग कानून और व्यवस्था की रक्षा करता है, वही आज खुद असुरक्षित है।

अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की शुरुआत जुलाई 2021 में हुई, जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने इसका मसौदा प्रस्तुत किया। इसमें अधिवक्ताओं को हिंसा, धमकी और उत्पीड़न से बचाने के लिए कानूनी सुरक्षा के ठोस प्रावधान रखे गए। 2022 में संसद की स्थायी समिति ने मसौदे की समीक्षा कर संशोधनों की सिफारिश की। इसके बाद मार्च 2023 में राजस्थान पहला राज्य बना जिसने यह अधिनियम पारित कर अधिवक्ताओं को सुरक्षा का कवच दिया और अन्य राज्यों में भी उम्मीद जगाई।

उत्तर प्रदेश में यह माँग 29 अगस्त 2023 की हापुड़ घटना के बाद और तीव्र हो गई। उस दिन पुलिस ने न्यायालय परिसर में निहत्थे अधिवक्ताओं पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया।

न्याय की रक्षा करने वाले स्वयं न्यायालय परिसर में ही अपमानित और घायल किए गए। यह दृश्य पूरे प्रदेश की बार एसोसिएशनों को झकझोर गया और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की माँग और प्रबल बना दिया। इसके विरोध में 4 सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने तीन-दिवसीय हड़ताल की घोषणा की और अदालतों में कामकाज ठप हो गया।

हापुड़ घटना के बाद 5 सितंबर 2023 को योगी सरकार ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। इस समिति का दायित्व था कि वह अधिवक्ताओं से सुझाव लेकर एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करे और सरकार को अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने के संबंध में ठोस दिशा-निर्देश दे।

9 सितंबर 2023 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए एक न्यायिक समिति गठित की। समिति को 16 सितंबर से बैठकें शुरू करने का निर्देश दिया गया। अधिवक्ताओं ने पुलिस की बढ़ती दखलअंदाजी, मनमानी गिरफ्तारी और सुरक्षा की कमी की शिकायतें कीं। सितंबर के अंत तक 40 से अधिक शिकायतें मिलीं।

अक्टूबर 2023 में अंतरिम रिपोर्ट में अधिवक्ताओं पर हमले को न्यायिक कार्यवाही में गंभीर बाधा बताया गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने भी अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का मसौदा तैयार कर राज्य विधि आयोग को सौंपा। विधि आयोग ने नवंबर 2023 में अपनी सिफारिशें दीं, जिनमें अदालत परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, अधिवक्ताओं को सुरक्षित और पक्के चैंबर उपलब्ध कराने, सामूहिक बीमा योजना लागू करने और महामारी जैसी आपात परिस्थितियों में उन्हें न्यूनतम पंद्रह हजार रुपये मासिक आर्थिक सहायता देने का सुझाव शामिल था।

आयोग ने यह भी कहा कि किसी अधिवक्ता की गिरफ्तारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना न हो और गिरफ्तारी की स्थिति में 24 घंटे के भीतर संबंधित बार एसोसिएशन को सूचना दी जाए। अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रारूप में अधिवक्ताओं पर हिंसा, धमकी, उत्पीड़न, संपत्ति का नुकसान और दुर्भावनापूर्ण अभियोजन को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना गया है।

दोषी पाए जाने पर छह महीने से पाँच वर्ष तक की सजा और पचास हजार से दस लाख रुपये तक का जुर्माना होगा, जबकि पुनरावृत्ति की स्थिति में यह सजा दस वर्ष तक बढ़ाई जा सकेगी। अदालत को पीड़ित अधिवक्ता को मुआवजा देने का अधिकार होगा।

लेकिन अधिवक्ता समाज को अपेक्षित परिणाम अब तक नहीं मिले। प्रयागराज में अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला की दिनदहाड़े हत्या ने यह संदेश दिया कि पेशेवर दायित्व निभाने वाले वकील भी असुरक्षित हैं।

17 सितंबर 2025 को वाराणसी जिला न्यायालय परिसर में पुलिस और वकीलों के बीच टकराव हुआ, जिसमें उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार गंभीर रूप से घायल हुए और लगभग 70 अधिवक्ताओं पर मुकदमा दर्ज किया गया।

इस घटना के बाद अधिवक्ताओं ने काम का बहिष्कार किया और अदालतों का वातावरण तनावपूर्ण हो गया। 19 सितंबर 2025 को चंदौली में अधिवक्ता कमला यादव की हत्या उनके ही भाई द्वारा कर दी गई और मुरादाबाद में एक महिला अधिवक्ता पर रासायनिक हमला हुआ।

यह घटनाएँ इस तथ्य को पुष्ट करती हैं कि मौजूदा कानूनी प्रावधान अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इन घटनाओं ने अधिवक्ता बिरादरी के आत्मविश्वास को गहरा आघात पहुँचाया। "हम अपने परिवार और बच्चों को हर रोज यह आश्वासन नहीं दे पा रहे कि हम सुरक्षित लौटेंगे। यह स्थिति अधिवक्ता बिरादरी के आत्मविश्वास को तोड़ रही है।"

वाराणसी के एक वरिष्ठ अधिवक्ता (स्थानीय अखबार से बातचीत, 2024)। युवा वकील और कानून पढ़ रहे छात्र-छात्राएँ अब सवाल करने लगे हैं कि क्या न्याय के लिए लड़ना उनके जीवन के लिए खतरा बन जाएगा। जब अधिवक्ता भयभीत रहेंगे, तो कौन नागरिक का पक्ष निर्भीक होकर अदालत में रख पाएगा? "अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल पेशेवर संरक्षण नहीं, बल्कि पूरे समाज के न्याय की सुरक्षा है।" —बार काउंसिल ऑफ यूपी, 2024।

17 सितंबर की वाराणसी घटना के बाद 20 सितंबर 2025 को विधान परिषद सदस्य अशुतोष सिन्हा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को तत्काल लागू करने की माँग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अब भी ठोस कदम नहीं उठाती तो अधिवक्ता समाज का धैर्य टूट जाएगा।

इसी तरह उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष परेश मिश्रा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर वाराणसी में पुलिस की कथित बर्बरता की मजिस्ट्रेटी जांच और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के त्वरित क्रियान्वयन की माँग की। आज स्थिति यह है कि बार काउंसिल और विधि आयोग दोनों अपनी रिपोर्ट और सुझाव सरकार को दे चुके हैं।

राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू कर उदाहरण प्रस्तुत कर चुका है, किंतु उत्तर प्रदेश में अधिवक्ताओं को अब भी सुरक्षा की गारंटी नहीं मिली है। "यदि अधिवक्ता सुरक्षित नहीं होंगे, तो न्यायपालिका की रीढ़ टूट जाएगी। यह केवल वकीलों का प्रश्न नहीं, लोकतंत्र की आत्मा का प्रश्न है।" —उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चेयरमैन शिव किशोर गौड़।

यहाँ मुद्दा केवल वकीलों की अभिरक्षा और सम्मानजनक वातावरण का नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की आत्मा का है। अधिवक्ता वह दीपक हैं जो अंधेरे में न्याय की लौ जलाए रखते हैं और समाज को अन्याय के अंधकार से मार्गदर्शन देते हैं। यदि यह दीपक डगमगा जाए, तो न केवल अधिवक्ताओं का अस्तित्व संकट में पड़ेगा, बल्कि नागरिकों के न्याय पाने का अधिकार भी कमजोर पड़ जाएगा।

हापुड़ की लाठियाँ, प्रयागराज का खून, वाराणसी का टकराव और मुरादाबाद का अमानवीय हमला हमें यह चेतावनी दे रहे हैं कि अब देर की कोई गुंजाइश नहीं है। यह अधिनियम वकीलों के जीवन की ढाल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सांस है।

उत्तर प्रदेश की विधान सभा और विधान परिषद को इस पर अब और मौन नहीं रहना चाहिए। अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर न्याय की ज्योति को बचाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। यही समय है, यही अवसर है—यदि अभी नहीं तो शायद कभी नहीं।

अनुत्तरित सवाल है सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ

प्रमोद भार्गव

संदर्भः- असम में घुसपैठ और बदलती जनसांख्यिकी पर प्रधानमंत्री मोदी का बयान

अनुत्तरित सवालों को नए ढंग से राजनीतिक मुद्दों में बदलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विलक्षण शैली रही है। इस परिप्रेक्ष्य में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा-370, 35-ए, तीन तलाक और राम मंदिर जैसे आजादी के बाद से अनुत्तरित चले आ रहे प्रश्नों के समाधान के बाद मोदी ने असम की धरती से घुसपैठ करने और कराने वालों को कड़ा संदेश दिया है।

उन्होंने दरांग में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठियों की मदद से जनसांख्यिकीय घनत्व बदलने की साजिश चल रही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। हमारी सरकार घुसपैठियों को देश के साधन-संसाधन पर कब्जा नहीं करने देगी।'

घुसपैठियों को मदद देने वालों को सीधी चुनौती देते हुए मोदी ने कहा, 'घुसपैठियों को हटाने में हम अपना जीवन लगा देंगे। घुसपैठियों को पनाह देने वालों को देश कभी माफ नहीं करेगा। कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब इन्हें संरक्षण देती रही, जिससे घुसपैठिए हमेशा भारत में बस जाएं और भारत का राजनीतिक भविष्य तय करें। कांग्रेस के लिए देशहित से बड़ा, अपने वोट-बैंक का हित रहा है। किंतु अब यह नहीं चलेगा।'

बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। असम के लोगों की शिकायत है कि बांग्लादेश म्यांमार से बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं।

इस कारण राज्य का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी बोडो आदिवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थाई नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल हुई।

इस निर्देश के मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। इस सूची के अनुसार 3.29 करोड़ नागरिकों में से 2.89 करोड़ लोगों के पास नागरिकता के वैध दस्तावेज हैं। शेष रह गए 40 लाख लोग फिलहाल अवैध नागरिकों की श्रेणी में रख गए हैं। इस तरह के संवेदनशील मामलों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं।

असम में अवैध घुसपैठ का मामला नया नहीं है। 1951 से 1971 के बीच राज्य में मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई। 1991 से 2011 के बीच मतदाताओं की तादात 53 प्रतिशत बढ़ी। 2001 की जनगणना के आंकड़ों के हिसाब से यह भी देखने में आया कि असम में हिंदू आबादी तेजी से घटी है और मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ी है। 2011 की जनगणना में मुस्लिमों की आबादी और तेजी से बढ़ी। 2001 में जहां यह बढ़ोत्तरी 30.9 प्रतिशत थी, वहीं 2011 में बढ़कर 34.2 प्रतिशत हो गई।

जबकि देश के अन्य हिस्सों में मुस्लिमों की आबादी में बढ़ोत्तरी 13.4 प्रतिशत से 14.2 फीसदी तक ही हुई। असम में 35 प्रतिशत से अधिक मुस्लिमों वाली 2001 में विधानसभा सीटें 36 थी, जो 2011 में बढ़कर 39 हो गई। गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से 1991 तक हिंदुओं की जनसंख्या में 41.89 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इसी दौरान मुस्लिमों की जनसंख्या में 77.42 फीसदी की बेलगाम वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह 1991 से 2001 के बीच असम में हिंदुओं की जनसंख्या 14.95 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मुस्लिमों की

29.3 फीसदी बढ़ी। इस घुसपैठ के कारण असम में जनसंख्यात्मक घनत्व गड़बड़ा गया और सांप्रदायिक दंगों का सिलसिला शुरू हो गया। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा बोडो आदिवासियों ने भुगता। इसी के दुष्फल स्वरूप कई बोडो उग्रवादी संगठन अस्तित्व में आ गए।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की तादाद बक्सा, चिरांग, धुबरी और कोकराझार जिलों में सबसे ज्यादा है। इन्हीं जिलों में बोडो आदिवासी हजारों साल से रहते चले आ रहे हैं। लिहाजा बोडो और मुस्लिमों के बीच रह-रहकर हिंसक वारदातें होती रही हैं।

पिछले 18 साल में ही हिंसा की 15 बड़ी घटनाएं घटी हैं। जिनमें 600 से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। घटनाएं घटने के बावजूद इस हिंसा का संतोषजनक पहलू यह रहा है कि हिंसा के मूल में हिंदू, ईसाई, बोडो आदिवासी और आजादी के पहले से रह रहे पुश्तैनी मुसलमान नहीं हैं। विवाद की जड़ में स्थानीय आदिवासी और घुसपैठी मुसलमान हैं।

इन घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता देने के काम में असम राज्य कांग्रेस की राष्ट्र विरोधी भूमिका रही है। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने इन्हें बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र एवं राशन कार्ड तक हासिल कराए। नागरिकता दिलाने की इसी पहल के चलते घुसपैठियों कांग्रेस को झोली भर-भर के वोट देते रहे हैं। कांग्रेस की तरुण गोगाई सरकार इसी बूते 15 साल सत्ता में रही। लेकिन लगातार घुसपैठ ने कांग्रेस की हालत पतली कर दी थी।

फलस्वरूप भाजपा सत्ता में आ गई। इस अवैध घुसपैठ के दुष्प्रभाव पहले अलगाववाद के रूप में देखने में आ रहे थे, लेकिन बाद में राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में बदल गए। इन दुष्प्रभावों को पूर्व में सत्तारूढ़ रहा कांग्रेस का केंद्रीय व प्रांतीय नेतृत्व जानबूझकर वोट बैंक बनाए रखने की दृष्टि से अनदेखा करता रहा है।

लिहाजा धुबरी जिले से सटी बांग्लादेश की जो 134 किलोमीटर लंबी सीमा-रेखा है उस पर कोई चौकसी नहीं है। नतीजतन घुसपैठ आसानी से जारी है। असम को बांग्लादेश से अलग ब्रह्मपुत्र नदी करती है। इस नदी का पाट इतना चौड़ा और दलदली है कि इस पर बाड़ लगाना या दीवार बनाना नामुमकिन है। केवल नावों पर सशस्त्र पहरेदारी के जरिए घुसपैठ को रोका जाता है। लेकिन अब नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा के घुसपैठियों के विरुद्ध कड़े रुख के चलते इनकी वापसी भी शुरू हुई है।

दरअसल 1971 से ही एक सुनियोजित योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत, बंगाल, बिहार और दूसरे प्रांतों में घुसपैठ का सिलसिला जारी है। म्यांमार से आए 60,000 घुसपैठिए रोहिंग्या मुस्लिम भी कश्मीर, बेंगलुरु और हैदराबाद में गलत तरीकों से भारतीय नागरिक बनते जा रहे हैं।

जबकि कश्मीर से हिंदू, सिख और बौद्धों को धकिया कर पिछले 3 दशक से शरणार्थी बने रहने को विवश कर दिया है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन असम सरकार के साथ मिलकर फैसला लिया था कि 1971 तक जो भी बांग्लादेशी असम में घुसे हैं, उन्हें नागरिकता दी जाएगी और बाकी को भारत की जमीन से निर्वासित किया जाएगा। इस फैसले के तहत ही अब तक सात बार एनआरसी ने नागरिकों की वैध सूची जारी करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल एनआरसी का विरोध करते रहे हैं।

बांग्लादेश के साथ भारत की कुल 4097 किलोमीटर लंबी सीमा-पट्टी है, जिस पर जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इस कारण गरीबी और भुखमरी के मारे बांग्लादेशी असम में घुसे चले आते हैं। क्योंकि यहां इन्हें कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपने-अपने वोट बैंक बनाने के लालच में भारतीय नागरिकता का सुगम आधार उपलब्ध करा देते हैं।

मतदाता पहचान पत्र जहां इन्हें भारतीय नागरिकता का सम्मान हासिल करा देता है, वहीं राशन कार्ड की उपलब्धता इन्हें बीपीएल के दायरे में होने के कारण मुफ्त अनाज की सुविधा दिला देती हैं।

आसानी से बन जाने वाले बहुउद्देशीय पहचान वाले आधार कार्ड भी इन घुसपैठियों ने बड़ी मात्रा में हासिल कर लिए हैं। इन सुविधाओं की आसान उपलब्धता के चलते देश में घुसपैठियों की तादात चार करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है।

दरअसल बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठीये शरणार्थी बने रहते, तब तक तो ठीक था, अलबत्ता भारतीय गुप्तचर संस्थाओं को जो जानकारियां मिल रही हैं, उनके मुताबिक, पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था इन्हें प्रोत्साहित कर भारत के विरुद्ध उकसा रही है। सऊदी अरब से धन की आमद इन्हें धार्मिक कट्टरपंथ का पाठ पढ़ाकर आत्मघाती जिहादियों की नस्ल बनाने में लगी है।

बांग्लादेश इन्हें हथियारों का जखीरा उपलब्ध करा रहा है। जाहिर है, ये जिहादी उपाय भारत के लिए किसी भी दृष्टि से शुभ नहीं हैं। लिहाजा समय आ गया है कि जो आतंकवादी देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को सांगठनिक चुनौती के रूप में पेश आ रहे हैं, उन्हें देश से बेदखल किया जाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-UPHIN/2009/30721**

संक्षिप्त समाचार

फंदे पर लटका मिला 25 साल की विवाहिता का शव, छह साल पहले हुई थी शादी

मेरठ, एजेंसी। लोहियानगर थाना क्षेत्र की अलीबाग कॉलोनी में रविवार शाम तैय्यबा (25) का शव घर में फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। दिल्ली के जोनापुर निवासी तैय्यबा की शादी करीब छह साल पहले सरताज से हुई थी। सरताज टेंपो चलाता है। दोनों अलीबाग कॉलोनी में करीब एक साल से किराए के मकान में दो बेटियों और एक बेटे के साथ रह रहे थे। रविवार शाम चार बजे तैय्यबा का शव घर में पंखे पर फंदे से लटका मिला। सूचना पर तैय्यबा के परिजन दिल्ली से आ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए हत्या की है। पति सरताज शराब पीकर उसे आए दिन पीटता था। पुलिस ने शव मोर्चरी भिजवाया। सीओ कोतवाली अंतरिक्ष जैन का कहना है कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नई दरें लागू...गोरखपुर के फुटकर से लेकर थोक बाजार तक टूटेगी सुस्ती- बोले व्यापारी; सस्ते होंगे सामान

गोरखपुर, एजेंसी। जीएसटी की नई दरें लागू हो रही हैं। इससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। व्यापारियों ने भी अपनी ओर से पूरी तैयारी कर ली है। उनका कहना है कि अब वस्तुएं कम कीमत पर बेची जाएंगी, क्योंकि सरकार ने आश्वस्त किया है कि जीएसटी दरों में अंतर से होने वाले नुकसान की भरपाई की जाएगी।घोषणा के बाद से ही व्यापारी सावधानी बरतते हुए सीमित मात्रा में ही माल मंगा रहे थे। अब नई दरें लागू होने की तिथि आने के के साथ ही उन्होंने बड़े ऑर्डर देना शुरू कर दिया है। शहर के थोक और खुदरा व्यापारियों का कहना है कि दरों में कटौती का सीधा फायदा आम लोगों को मिलेगा। इससे त्योहारी सीजन में बिक्री भी बढ़ेगी। व्यापारियों ने बताया कि सरकार की नीति उपभोक्ताओं व कारोबारियों दोनों के लिए लाभकारी है। जीएसटी दरों के कम होने से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान सस्ते होंगे और खपत बढ़ेगी। वहीं व्यापारी भी ज्यादा बिक्री कर सकेंगे। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानदारों ने डिस्काउंट ऑफर और नए स्टॉक की तैयारी कर ली है।नई दरों को लेकर लोगों में उत्साह है। उपभोक्ताओं का कहना है कि सरकार का यह फैसला घरेलू बजट को राहत देगा। वहीं व्यापारियों को भरोसा है कि बिक्री बढ़ने से उनका कारोबार और मजबूत होगा।

आधी रात पुलिस से हुआ बदमाशों का सामना, पैर में गोली लगने से एक घायल; चोरी करने निकला था गैंग

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में रविवार की रात हुजूरपुर-कैसरगंज बार्डर पर बदमाशों का सामना एसओजी और कैसरगंज थाना पुलिस से हो गया। रोकने पर उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग झोंक दी। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। इसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। घायल बदमाश को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। फरार बदमाशों की तलाश जारी है। सीओ कैसरगंज रवि खोखर ने बताया कि जिले में ड्रोन उड़ने और चोरों के आने की अफवाह की वजह से एसओजी और पुलिस टीमें रातभर क्षेत्रों में गश्त कर रही हैं। इसी बीच रविवार की आधी रात करीब 1:30 बजे सराय कनहर गांव की ओर जाने वाले रास्ते की तरफ से कुछ लोग आते दिखे। टीम ने उनको आवाज देकर रुकने का इशारा किया। रुकने की बजाय उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में दो चक्र फायरिंग की। इसमें दाहिने पैर में गोली लगने से बदमाश मुल्कराज पुत्र श्याम बिहारी, निवासी रायपुर, थाना बौडी, जख्मी हो गया। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके अन्य साथी भाग निकले। मुल्कराज के पास से तमंचा और नाल में फंसा एक खोखा कारतूस, जेब से एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। उसे पहले सीएचसी ले जाया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिसिया पूछताछ में पकड़े गए बदमाश मुल्कराज ने बताया कि वह सभी मिलकर क्षेत्र में बड़ी चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए सराय कनहर गांव की तरफ जा रहे थे। उसने अपने साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। उनकी संख्या पांच के आसपास है। फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

काशी में 72 दिन बाद गंगा में होगा नौका संचालन

इन शर्तों के साथ 11 घंटे चलेंगी नाव

वाराणसी, एजेंसी। काशी आने वाले पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। 23 सितंबर से गंगा में नौका संचालन शुरू होगा। हालांकि सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक ही नौका संचालन की अनुमति होगी। नाव की क्षमता के हिसाब से 50 प्रतिशत ही पर्यटक बैठा सकेंगे। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 11 जुलाई से नाव संचालन पर प्रतिबंध है।

शाम 5.30 बजे तक घाट पर खड़ी हो जाएंगी सभी नाव : गंगा में नाव और मोटरबोट संचालन को लेकर रविवार को दशाश्वमेध स्थित जल पुलिस परिसर में मांझी समाज के अध्यक्ष, मोटरबोट मालिकों व निषाद समाज के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। तय हुआ कि 23 सितंबर से मोटरबोट का संचालन होगा। सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक नाव का संचालन निर्धारित है। शाम 5.30 बजे तक सभी नाव घाट पर खड़ी हो जाएंगी। तब तक मोटर बोट की सर्विसिंग, रंगरोगन आदि कार्य पूरा करा लें। यात्रियों के चढ़ने-उतरने वाले स्थान की साफ-सफाई की जिम्मेदारी बोट मालिकों की होगी।

नाव को गंगा आरती में लगाने की अनुमति नहीं : एसीपी जल पुलिस शुभम सिंह ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी नाव को घाट पर गंगा आरती में लगाने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश एक सप्ताह के लिए लागू रहेगा। इंस्पेक्टर राजकिशोर पांडेय ने कहा कि सोमवार को अपनी नाव, मोटरबोट की मरम्मत समेत अन्य कार्य पूरा करा लें।

50 प्रतिशत यात्रियों को ही नाव में बैठाएं : जल पुलिस प्रभारी शशि प्रताप सिंह ने हिदायत दी कि निर्धारित क्षमता से 50 प्रतिशत यात्रियों को ही नाव में बैठाकर बोटिंग कराएं। सभी यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनाना अनिवार्य है। नशे की हालत में यदि किसी नाविक ने किसी भी यात्री को बैठाया तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई होगी। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। बैठक में मांझी समाज के प्रमोद मांझी आदि रहे।

वाराणसी शहर का हाल: तीन जगह आधी, दो जगह चौथाई बनाकर छोड़ीं सड़कें,

पीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने बताई ये वजह

वाराणसी, एजेंसी। शहर में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। तीन जगह आधी अधूरी तो दो स्थानों पर चौथाई सड़क बनाकर छोड़ दी गई है। इसके चलते वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। रवींद्रपुरी में पद्मश्री के पास, मंडुवाडीह, सिगरा में आधी और सिद्धगिरीबाग, सोनिया पर चौथाई सड़क बनाकर छोड़ी गई है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह पुलिस लाइन से ताज होटल, लहरतारा से रविदास घाट तक सड़क की मरम्मत कराई गई है। इसके निर्माण भी अधूरे हैं।

नदेसर पर धंसी सड़क, पीडब्ल्यूडी ने भरवाया गड्ढा : नदेसर पर इमलाक कॉलोनी के समीप सड़क पर एक तरफ सड़क धंस गई है। इसके चारों ओर पुलिस ने बैरिकेडिंग कराई ताकि कोई दुर्घटना न होने पाए। इसी सड़क से आए दिन वीआईपी गुजरते हैं।

खोदाई की वजह से खराब हो रहीं सड़कें : पीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने बताया कि शहर की सड़कों को अनुमति के बाद ही खोदने का नियम है। काम कराने के बहाने मनमाने तरीके से सड़कों की खोदाई का सिलसिला जारी है। ऐसे में धूल और कीचड़ से सनी खस्ताहाल सड़कों पर फिर से मरम्मत का लेपन किया जा रहा है। कई एजेंसियों की ओर से मुख्य मार्गों, कॉलोनियों की सड़कों और गलियों तक को खोद कर छोड़ दिया गया था जिसकी पैचिंग देर से कराई गई।

पाइप लाइन बिछाने के लिए नदेसर, सिगरा, रथयात्रा, तेलियाबाग और फातमान रोड सहित कई इलाकों में काम कराया जा रहा है। भूमिगत बिजली की केबिल बिछाने के लिए कैंट से भेलूपुर, लहुराबीर से मैदागिन, नई सड़क, लक्सा, लंका, सुंदरपुर-डीरेका समेत कई प्रमुख मार्ग और गलियों को खोद दिया गया।

वहीं, पेजयल और सीवेज पाइप लाइन बिछाने के लिए जल निगम की ओर से पहड़िया-बेला मार्ग और चौकाघाट सहित कई इलाकों में काम कराया जा रहा है। अभी तक खोदे गए गड्ढों को पाटकर सड़क बनाने का काम नहीं शुरू किया गया है।

सीएम योगी बोले, जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता दें अधिकारी,

250 लोगों की सुनीं समस्याएं

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर शक्ति की उपासना से पहले जनसेवा की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने राशन कार्ड न होने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। राशन कार्ड की व्यवस्था करने के साथ पात्रता के अनुसार पेंशन योजना का भी लाभ दिलाएं।

जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गरीबों की जमीन पर कब्जा न होने देने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। सीएम योगी ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

आकांक्षा ने जिस सूटकेस पर बैठ बनवाई रील उसी में भरकर प्रेमी ने फेंका शव

फतेहपुर, एजेंसी। प्रेम संबंध में जान गंवाने वाली आकांक्षा ने जिस सूटकेस पर बैठकर रील बनवाई थी उसी सूटकेश में उसका शव भरकर प्रेमी सूरज ने यमुना में फेंक दिया। फिलहाल सूरज जेल में है और पुलिस आकांक्षा का शव तलाशने के लिए यमुना नदी में सर्च अभियान चला रही है।

थानाध्यक्ष हनुमंत विहार राजीव सिंह ने बताया कि कानपुर देहात के सुजनीपुर गांव निवासी विजय श्री की बेटी आकांक्षा के शव को पुलिस टीम बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर आदि में यमुना में तलाश कर रही है। साथ ही इन जनपदों में बीते दिनों यमुना में मिले अज्ञात महिलाओं के शवों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही प्रयागराज से यमुना के गंगा में मिल जाने के कारण वहां के थानाक्षेत्रों से भी संपर्क किया गया है। अब तक की जांच में पुलिस को पता चला है कि शातिर सूरज कई लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फंसाए था।

इसकी जानकारी जब आकांक्षा को हुई तो उसने विरोध किया। पहले तो उसने दोबारा ऐसा न करने का भरोसा दिलाया लेकिन लड़कियों से बात करना बंद नहीं किया। 21 जुलाई की शाम को भी इन दोनों में रेस्टोरेंट में झगड़ा हुआ था। इसके बाद सूरज उत्तम ने उसकी हत्या कर दी।

आशीष ने दी थी शव को यमुना में फेंकने की सलाह

पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि हत्या करने के बाद सूरज ने दोस्त आशीष को फोन कर घर बुलाया था जहां पहुंचकर शव देखने के बाद उसने कहा था कि इस समय यमुना में बाढ़ चल रही है। यहां से लेकर शव को बांदा चलो वहीं चिल्ला घाट से नदी में फेंक देंगे किसी को पता नहीं चलेगा। इसके बाद सूरज ने शव को बैग में भरकर बाइक पर रखा जबकि बाइक आशीष ने चलाई। इसके बाद दोनों लोग बाइक में बैग रखकर चिल्लाघाट पहुंचे और शव को यमुना में फेंक दिया।

यह थी घटना

20 साल की आकांक्षा बड़ी बहन के साथ बर्रा में रहती थी। फतेहपुर के बिंदकी के हरीखेड़ा निवासी सूरज उत्तम से उसके इंस्टाग्राम के माध्यम से प्रेम संबंध हो गए। सूरज के कहने पर वहां से नौकरी छोड़कर हनुमंत विहार के रेस्टोरेंट में काम करने लगी। वहीं सूरज ने कमरा भी दिला दिया। उसी कमरे में 21 जुलाई की रात गला दबाकर हत्या करने के बाद शव सूटकेस में भरकर साथी आशीष संग बाइक से चिल्ला घाट से नीचे यमुना में फेंक दिया।

शुक्लागंज बवाल: बिना अनुमति निकला जुलूस, खुफिया तंत्र फेल, पुलिस को दौड़ाया

कानपुर, एजेंसी। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में रविवार देर शाम को माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब आई लव मोहम्मद के समर्थन में बिना अनुमति के एक बड़ा जुलूस निकाला गया। यह जुलूस अलग-अलग तीन क्षेत्रों से निकला, लेकिन इसकी भनक पुलिस और खुफिया विभाग को नहीं लगी, जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस दौरान खुफिया तंत्र फेल होने के बाद राजधानी मार्ग पर वोटिंग को लेकर बवाल हो गया और उपद्रवियों ने पुलिस को दौड़ा लिया।

देर रात, मनोहर नगर में सैकड़ों लोग इस जुलूस में शामिल हुए। जब पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को रोकने का प्रयास किया, तो प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति जल्द ही बिगड़ गई और आक्रोशित लोगों ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान, कोतवाली में तैनात एक इंस्पेक्टर की वर्दी से स्टार तक नोच लिए गए।

हालात को बेकाबू होते देख, पुलिस को हल्का बल प्रयोग और आंशिक रूप से लाठीचार्ज करना पड़ा। जिससे भीड़ तितर-बितर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और गंगाघाट, सदर कोतवाली, अचलगंज और बीघापुर से अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी बुलाई गई। पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह ने बताया कि शहर में धारा 163 लागू है। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हालात को नियंत्रित किया है। फिलहाल, क्षेत्र में पुलिस बल तैनात है और स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

लाठीचार्ज के बाद, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया और उन्हें मनोहर नगर से सीताराम कॉलोनी तक करीब 300 मीटर तक दौड़ाया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर खुद को बचाया। इस दौरान नोक झोंक भी हुई हालांकि भारी पुलिस बल को देखते हुए उपद्रवी पीछे हटे।

माहौल को शांत रखने के लिए, रात 11:15 बजे अचलगंज, बीघापुर, सफीपुर और गंगाघाट थानों की पुलिस ने मनोहर नगर और सीताराम कॉलोनी में पैदल मार्च किया। घटना को देखते हुए पुलिस संबंधित क्षेत्र में पैदल मार्च करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से अपील की। इस दौरान भारी पुलिस बल मनोहर नगर शक्ति नगर इंदिरा नगर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं क्षेत्र में रहने वाले लोगों ने बताया कि जुलूस के दौरान शामिल लोगों द्वारा सर तन से जुदा से जुड़े नारे लगाए जा रहे थे।

एमपी सरकार काशी में कराएगी इन्वेस्टर्स मीट, रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होगा कार्यक्रम

वाराणसी, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नवंबर में वाराणसी में इन्वेस्टर्स मीट कराने का निर्णय लिया है। यह कार्यक्रम वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होगा। इस सिलसिले में रामनगर इंडिस्ट्रियल एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल रीवा में सीएम मोहन यादव से मिला है।

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों के साथ अलग-अलग वार्ता कर निवेश के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी सुविधाओं के अतिरिक्त अन्य कोई भी आवश्यकता के लिए जिला कलेक्टर, औद्योगिक विकास आयुक्त मध्य प्रदेश एवं मुख्यमंत्री कार्यालय से सीधे संपर्क में रहने की बात कही। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने हनुमाना के पास स्थित औद्योगिक क्षेत्र को देखा।

इस दौरान मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निदेशक रीवा संभाग यूके तिवारी व पूरी टीम उपस्थित रही। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएस मिश्रा, महामंत्री राकेश जायसवाल, उपाध्यक्ष सुरेश पटेल, उपाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रतिष्ठित उद्यमी प्रमोद चौरसिया, अंजनी अग्रवाल, पियूष अग्रवाल आदि शामिल थे।

लापरवाही में ठाकुरद्वारा सीओ-थाना प्रभारी हटाए

मुरादाबाद, एजेंसी। एसएसपी सतपाल अंतिल ने जिले के तीन सीओ और तीन इंस्पेक्टरों को इधर से उधर किया है। आरोप है कि ठाकुरद्वारा सीओ और थाना प्रभारी लापरवाही के आरोप में हटाए गए हैं। एसएसपी सतपाल अंतिल ने रविवार को समीक्षा के आधार पर सीओ ठाकुरद्वारा गौरव कुमार त्रिपाठी को सीओ कार्यालय/जनशिकायत/यूपी-112 और सीओ यातायात की जिम्मेदारी सौंपी है।

ठाकुरद्वारा सर्किल में सीओ कांठ आशीष प्रताप सिंह को तैनाती दी गई है। सीओ राजेश कुमार तिवारी को सीओ मुख्यालय और न्यायालय संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी तरह थाना प्रभारी ठाकुरद्वारा जसपाल सिंह ग्वाल को वहां से हटाकर कुंदरकी का थाना प्रभारी बनाया गया है।

इसी प्रकार थाना प्रभारी छजलैट संजय पांचाल को ठाकुरद्वारा थाने की जिम्मेदारी दी गई है। थाना प्रभारी कुंदरकी प्रदीप कुमार सहरावत को छजलैट का थाना प्रभारी बनाया गया है।

इस बारे में एसएसपी ने बताया कि समीक्षा के दौरान सीओ ठाकुरद्वारा की लापरवाही प्रकाश में आई थी लेकिन

यह मामला गोकशी वाले सपा नेता से नहीं जुड़ा है। अन्य मामलों में लापरवाही प्रकाश में आई थी। तीनों थाना प्रभारियों को समायोजित किया गया है।

गोकशी के मामले में पुलिस की कार्रवाई से साधु संतुष्ट नहीं : ठाकुरद्वारा के शिवनगर पत्थर खेड़ा में 25 जुलाई को हुए गोकशी के मामले में पुलिस की कार्रवाई से साधु-संत और हिंदू संगठन संतुष्ट नहीं है। इस मामले में प्रमुख रूप से सक्रिय शिवनगर मंदिर के महंत बच्चा बाबा ने बताया कि साधु संतों और हिंदू संगठनों की एक बैठक हुई है।

जिसमें पुलिस की इस मामले में की गई कार्रवाई पर चर्चा की गई। जिसमें उपस्थित लोगों ने कहा कि पुलिस ने गोकशी के मामले में की गई कार्रवाई में लापरवाही की है। 25 जुलाई को सुबह 9:35 पर घटना को दिखाया गया है जबकि यह घटना सुबह लगभग 4:00 बजे की थी।

जिसके सबूत उनके पास है। इसमें एक आरोपी ने अपने बचाव के लिए अपनी लोकेशन 9:30 बजे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई है। पुलिस की लापरवाही के चलते इस मामले के कई आरोपियों को कोर्ट से जमानत भी मिल चुकी है।

बच्चा बाबा ने कहा कि शीघ्र एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस प्रशासन के स्थानीय और वरिष्ठ अधिकारियों से मिलेगा। उन्हें अपने असंतोष को अवगत कराएगा। यदि कोई कार्रवाई नहीं हो तो इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक ले जाया जाएगा।

फिलीस्तीन के लिए क्राउड फंडिंग की रकम हड़पने वाले तीन युवक महाराष्ट्र से गिरफ्तार, एटीएस की कार्रवाई

लखनऊ, एजेंसी। यूपी एटीएस ने महाराष्ट्र के ठाणे और भिवंडी से तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। ये फिलीस्तीन के गाजा में युद्ध पीड़ितों की मदद के नाम पर क्राउड फंडिंग करने के बाद करोड़ों रुपये हड़प चुके हैं। तीनों के संपर्क में यूपी के कई जिलों के लोग भी थे, जो क्राउड फंडिंग में मदद कर रहे थे। तीनों के पास से तीन मोबाइल बरामद किए गए हैं। एटीएस उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लेकर आ रही है।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि एटीएस को खुफिया सूचना मिली थी कि गाजा में युद्ध पीड़ित महिलाओं, बच्चों के लिए खाना, पानी, कपड़ा, दवाएं आदि के नाम पर इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर आर्थिक मदद मांगी जा रही है। उन्होंने यूपी समेत देश भर से गाजा युद्ध पीड़ितों की मदद के लिए करोड़ों रुपये जमा किए हैं। बाद में इस रकम को गाजा न भेजकर हड़प ली।

इस सूचना पर एटीएस ने बीते अगस्त माह में भिवंडी निवासी मोहम्मद अयान, अबू सूफियान और ठाणे निवासी जैद नोटियार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। अदालत से तीनों के खिलाफ गैरजमानती वारंट लेकर ठाणे के भिवंडी इलाके से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों से पूछताछ में पता चला कि वह सोशल मीडिया पर गाजा युद्ध पीड़ितों के लिए मार्मिक पोस्ट करते थे।

सोशल मीडिया कैंम्पेन में तीनों ने अपनी यूपीआई आईडी और बैंक खातों का इस्तेमाल किया, जिसमें यूपी के कई जिलों समेत देश भर से करोड़ों रुपये चंदा आया। एटीएस तीनों को रिमांड पर लेकर पता लगाएगी कि इस रकम को इस्तेमाल कहीं टेरर फंडिंग के लिए तो नहीं किया है। तीनों को सोमवार को राजधानी स्थित एटीएस/एनआईए की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा, जिसके बाद अदालत से उन्हें रिमांड पर देने का अनुरोध किया जाएगा।

भारत को 'आग और बर्फ' का मिश्रण मिल गया है: सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि जिगरी दोस्त अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के बल्लेबाजी के विपरीज अंदाज से भारतीय टी20 क्रिकेट को 'आग और बर्फ' का संयोजन मिल गया है। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर 4 मैच में जीत के लिए 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दस साल की उम्र से साथ खेल रहे दोनों दोस्तों ने 105 रन की साझेदारी की। अभिषेक ने 39 गेंद में 74 रन बनाये जबकि गिल ने 28 गेंद में 47 रन जोड़े। सूर्यकुमार यादव ने छह विकेट से मिली जीत के बाद कहा, 'यह आग और बर्फ जैसा संयोजन है। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। यही मैं देखना चाहता हूं। अगर एक जबर्दस्त बल्लेबाजी कर रहा है तो दूसरा सहायक की भूमिका निभाकर स्ट्राइक रोटेट कर सकता है। हमें अच्छी शुरुआत की जरूरत थी और दोनों ने वह दी।'

अंडर-12 के समय से साथ खेल रहे अभिषेक और शुभमन

पंजाब में अंडर 12 के दिनों से साथ खेल रहे अभिषेक और गिल एक दूसरे के खेल को बखूबी जानते हैं और मौके के हिसाब से भूमिकाएं बदल लेते हैं। सूर्यकुमार का मानना है कि मैदान के बाहर की अच्छी दोस्ती मैदान पर आपसी समझ में भी परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा, 'मैदान के बाहर अच्छे दोस्त होना जरूरी है। जब आप पारी की शुरुआत कर रहे हैं तो यह समझ काफी जरूरी है। एक रन लेने के लिए एक नजर का इशारा ही काफी होता है। जब ये दोनों साथ में बल्लेबाजी करते हैं तो इनकी दोस्ती दिखती है।'

कोरोना में युवराज के घर पर रहकर सीखी खेल की बारीकियां

कोरोना काल में दोनों चंडीगढ़ में युवराज सिंह के घर पर थे और साथ में अभ्यास किया करते थे। सूर्यकुमार ने अभिषेक के बारे में कहा, 'अभिषेक काफी निस्वार्थ बल्लेबाजी करता है। पावरप्ले में वह आक्रामक खेलता है और उसके बाद भी उसे पता है कि क्या जरूरी है। वह हालात का आकलन करके मैच दर मैच सीख रहा है। वह अभ्यास कभी नहीं चूकता।' शुभमन गिल के बारे में उन्होंने कहा, 'शुभमन के बारे में सभी को पता है कि वह कैसा खिलाड़ी है। मैं इतना ही कहूंगा कि उसे पता है कि रन कैसे बनाना है। उनसे आज अपने शॉट्स पर भरोसा करके जोखिम कम लिया।'

फीके पड़ गए शाहीन अफरीदी, उन्हें ब्रेक की जरूरत है: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाज शाहीन अफरीदी विकेट को तरसते नजर आए। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया की सलाह है कि शाहीन अफरीदी को तरोताजा होने के लिए क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। इस तेज गेंदबाज ने रविवार को भारत के खिलाफ 3.5 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 40 रन लुटाए, लेकिन एक भी बल्लेबाज को अपना शिकार नहीं बना सके। कनेरिया के मुताबिक इस तेज गेंदबाज को तीनों फॉर्मेट में नहीं खेलना चाहिए। उन्हें अपनी गेंदबाजी पर फोकस करने के लिए एक या दो फॉर्मेट से बाहर रहना चाहिए। कनेरिया ने सोमवार को कहा, उम्र एक बात है, लेकिन पीसीबी उन्हें तीनों फॉर्मेट में नहीं खिला सकता। उन्हें तय करना होगा कि वह किस फॉर्मेट में खेलेंगे। मुझे लगता है कि उन्हें फैसला लेना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि वह सिर्फ टी20 और वनडे खेलेंगे। उन्हें टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि वह उस फॉर्मेट में कुछ खास नहीं करते।पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मुझे लगता है कि शाहीन अफरीदी को क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। वह छुट्टी पर जाएं, आराम करें और वापस आएं। वह थोड़े फीके पड़ गए हैं। मुझे लगता है कि उन्हें एक ब्रेक की जरूरत है। शायद कुछ महीनों के ब्रेक की जरूरत है। अगर आप बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलते हैं, तो आप नीरस हो जाते हैं। वापसी के लिए आपको एक ब्रेक की जरूरत होती है। भारत ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवरों के खेल में 5 विकेट खोकर 171 रन बनाए। टीम के लिए साहिबजादा फरहान ने 45 गेंदों में 58 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 18.5 ओवरों में 6 विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 39 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 74 रन बनाए, जबकि शुभमन गिल ने 28 गेंदों में 47 रन की पारी खेली।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दर्द के बावजूद नेउगेबाउर ने डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो, एजेंसी। जर्मन धावक लियो न्यूगेबाउर ने दर्द के बावजूद डेकाथलॉन की अंतिम स्पर्धा में 1,500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। दौड़ पूरी करने के बाद न्यूगेबाउर ट्रैक पर ही लेट गए थे। 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता के हिलने-डुलने में असमर्थ होने पर अधिकारियों ने उनके लिए व्हीलचेयर निकाली। लेकिन नेउगेबाउर ने खुद को फिर से खड़ा कर लिया। उन्होंने कहा, मुझे पिछली दौड़ के बाद जितना बुरा लगा था, उतना पहले कभी नहीं लगा था, लेकिन मैं व्हीलचेयर पर ट्रैक नहीं छोड़ना चाहता था।

4 मिनट 31.89 सेकंड के समय के साथ उन्होंने कुल 8,804 अंक हासिल किए, जिससे उन्होंने प्यूर्टो रिको के आयडेन ओवेन्स-डेलेमें (8,784) और अमेरिकी काइल गारलैंड (8,703) को पीछे छोड़ दिया। पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी के निकलास कौल चौथे स्थान पर रहे। नेउगेबाउर अपनी मां डायना और पिता टेरेंस को गले लगाने के लिए स्टैंड पर चढ़ गए। गोर्लिट्ज में जन्मे और स्टटगार्ट में पले-बढ़े, नेउगेबाउर एक खेल-प्रेमी परिवार में पले-बढ़े। उनके पिता, जो कभी फुटबॉल के शौकीन थे, ने उन्हें एथलेटिक्स में हाथ आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया। 15 साल की उम्र से वह ट्रैक और फील्ड पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। इस फैसले के कारण उन्हें छात्रवृत्ति पर ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय में दाखिला मिला, जहां वे प्रशिक्षण के साथ-साथ अर्थशास्त्र की पढ़ाई भी कर रहे हैं। लियो द जर्मन उपनाम से मशहूर, 2.01 मीटर के इस एथलीट ने प्रतिभा और अथक परिश्रम के मेल के लिए अपनी ख्याति अर्जित की है। उनके कोच जिम गार्नहैम ने कहा, मैं कुछ भी जादू नहीं करना चाहता, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा, तो लियो वो कर सकता है जो कोई और नहीं कर सकता।

विश्व खिताब हासिल करने के बाद, न्यूगेबाउर ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर कोई संदेह नहीं छोड़ा। उन्होंने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की ओर इशारा करते हुए कहा, अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है। 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक को वह पहले से ही अपना घरेलू मैदान मानते हैं।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल:

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज 50 छक्कों का रिकॉर्ड, गुरु को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक शर्मा ने रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराने के दौरान विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। अभिषेक शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए 39 गेंदों में 74 रन बनाए। इस पारी के दौरान अभिषेक ने गेंदों के हिसाब से टी20 क्रिकेट में सबसे

तेज 50 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। अभिषेक शर्मा ने मात्र 331 गेंदों में सबसे तेज 50 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की, जो पहले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इविन लुईस (366 गेंदों) के नाम था। आंद्रे रसेल (वेस्टइंडीज) तीसरे, हजरतुल्लाह जजई (अफगानिस्तान) चौथे और सूर्यकुमार यादव (भारत) 5वें स्थान पर हैं। अभिषेक 350 गेंदों से कम में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। यही नहीं, उन्होंने अपने गुरु युवराज सिंह का भी रिकॉर्ड तोड़ा है। शर्मा ने दुबई क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ 24 गेंद पर अर्धशतक लगाया।

यह टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक है। पहले यह रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम था, जिन्होंने 2012 में अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था। अभिषेक को उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवर में 105 रन जोड़कर भारत का एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ चल रहा ऑपरेशन व्हाइट बॉल सफलतापूर्वक पूरा किया। अभिषेक ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा, आज सब कुछ साफ था। जिस तरह वे बिना वजह हम पर हावी होने की कोशिश कर रहे थे, मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी कारण मैंने उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता था।

उन्होंने गिल के साथ साझेदारी पर कहा, हम स्कूल के दिनों से साथ खेलते हैं। हम एक-दूसरे को समझते हैं। हमने सोचा था कि हम यह कर सकते हैं और आज वह दिन था। जिस तरह वह जवाब दे रहे थे, मुझे बहुत अच्छा लगा। अगर आप किसी को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो इसका मतलब है कि टीम समर्थन करती है और साथ देती है। यही मेरा इरादा है, मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और अगर मेरा दिन है, तो मैं अपनी टीम के लिए जीत हासिल करूंगा।

साउथ अफ्रीका के दिग्गज ने खत्म किया ओडीआई रिटायरमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने वनडे रिटायरमेंट खत्म कर दिया. उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट को छोड़ दिया था. क्विंटन डिकॉक को अक्टूबर में पाकिस्तान दौरे के लिए साउथ अफ्रीकी टीम में चुना गया है. उन्हें वनडे और टी20 दोनों स्क्वॉड में रखा गया. डिकॉक साउथ अफ्रीका के लिए आखिरी बार टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में खेले थे. वहीं वनडे में उनका आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में था. साउथ अफ्रीका ने मैथ्यू ब्रेत्जके की कप्तानी में वनडे स्क्वॉड चुनी है.

वहीं टी20 टीम की कप्तानी डेविड मिलर को दी गई है. कॉर्बिन बॉश और डेवाल्ड ब्रेविस को छोड़कर बाकी सभी ऑल फॉर्मेट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है. डोनोवान फरेरा, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जिया, डिकॉक को वनडे स्क्वॉड में रखा गया है. वहीं जॉर्ज लिंडे और ब्यॉर्न फॉर्टुइन की इस फॉर्मेट में वापसी हुई है. नेशल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर रहने वाले तबरेज शम्सी को किसी भी स्क्वॉड में जगह नहीं दी गई. ऐसा ही एनरिक नॉर्किया के साथ हुआ है.

टेम्बा बवुला चोटिल तो मार्करम बने कप्तान

साउथ अफ्रीका को पाकिस्तान में तीन वनडे, तीन टी20 मुकाबले खेलने हैं. इससे पहले दो टेस्ट की सीरीज होगी. इसके लिए भी स्क्वॉड का ऐलान किया गया. इसमें टेम्बा बवुमा शामिल नहीं हैं क्योंकि वह काफ स्ट्रेन से जूझ रहे हैं. उन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोट लगी थी. उन्हें ठीक होने में छह से आठ सप्ताह लग सकते हैं. एडन मार्करम को टेस्ट कप्तानी दी गई है. टेस्ट स्क्वॉड में ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की ढाई साल बाद वापसी हुई है. वे आखिरी बार मार्च 2023 में टेस्ट खेले थे. केशव महाराज केवल दूसरे टेस्ट के लिए ही उपलब्ध होंगे. हार्मर का साथ देने के लिए सेनुरन मुथुसामी और प्रेनेलन सुब्रायन हैं.

उसैन बोल्ट एक अक्तूबर को भारत में खेलेंगे एग्जिबिशन फुटबॉल मैच

मुंबई में होगा मुकाबला

मुंबई , एजेंसी। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिए एक-एक हाफ में खेलेंगे। फैंस को इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। महान फर्राटा धावक उसैन बोल्ट एक अक्तूबर को एक नुमाइशी फुटबॉल मैच के लिये भारत आएंगे। आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता महानतम खिलाड़ियों में से एक बोल्ट महान फुटबॉल खिलाड़ियों, बॉलीवुड हस्तियों और अन्य जाने माने लोगों के साथ फुटबॉल मैच खेलेंगे। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिए एक-एक हाफ में खेलेंगे।

वह 30 सितंबर से शुरू हो रहे प्यूमा के दो दिवसीय जश्न के सिलसिले में यहां आ रहे हैं। फैंस को इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। प्यूमा भारत के प्रबंध निदेशक कार्तिक बालागोपालन ने कहा, हमारा मानना है कि खेलों में समुदायों को प्रेरित करने और एकजुट करने की ताकत है । फुटबॉल भारतीय युवाओं में सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है और उसेन बोल्ट को यहां फुटबॉल खेलने के लिये बुलाकर हम इसका जश्न मनाना चाहते हैं।

फुटबॉल के प्रति बोल्ट का जुनून

ट्रैक से बाहर भी बोल्ट हमेशा फुटबॉल के लिए जुनूनी रहे हैं। बचपन में वह अक्सर फुटबॉल खेलते थे और मैदान पर अपनी रफ्तार और स्किल दिखाने का सपना देखते थे। एथलेटिक्स से संन्यास लेने के बाद भी उन्होंने इस खेल को गंभीरता से अपनाया, ट्रेनिंग की, ट्रायल और एग्जिबिशन मैच खेले और गोल भी दागे।

जोहोर कप:

जोहोर कप हॉकी में भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, टीम सुल्तान जोहोर कप की अच्छी तैयारी कर रही है। हमारे पास अच्छी टीम है और जूनियर विश्व कप को देखते हुए यह तैयारी का अच्छा मौका होगा जिसमें मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को आंक सकेंगे। डिफेंडर रोहित 11 अक्तूबर से मलयेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 18 अक्तूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। भारत को 11 अक्तूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्तूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्तूबर को होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया से 15 अक्तूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्तूबर को मलयेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्तूबर को फाइनल खेलेंगी।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 5वीं बार जीता सीपीएल, कायरन पोलार्ड ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, चैंपियन बनी शाहरुख खान की टीम

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल मुकाबला त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के बीच आज यानी 22 सितंबर को प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला गया। रोमांचक फाइनल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने एमेजॉन वॉरियर्स को हरा दिया। बता दें कि पांचवीं बार नाइट राइडर्स ने सीपीएल का खिताब अपने नाम किया। वहीं इस मैच में वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि त्रिनबागो नाइट राइडर्स कोलकाता नाइट राइडर्स की ही एक फ्रेंचाइजी है, जिसके मालिक बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान हैं।

गुयाना एमेजॉन ने टॉस जीतकर चुनी थी बल्लेबाजी: गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर ने फाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। हालांकि, वे 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 130 रन ही बोर्ड पर लगा पाए। इफ्तिखार अहमद ने सर्वाधिक 30 रन बनाए। अंत में 25 रन ड्वेन प्रीटोरियस ने भी बनाए। नाइट राइडर्स के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट सौरभ नेत्रवल्कार ने लिए। 2 विकेट अकील हुसैन को मिले जबकि 1-1 विकेट आंद्रे रसेल और उस्मान तारिक ने लिया।

कायरन पोलार्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड: वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह टी20 में 400 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड के नाम अब 718 टी20 मुकाबलों में 401 कैच हो गए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर 320 कैच के साथ डेविड मिलर हैं।

12 बॉल पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने चेज कर दिया टारगेट

131 रन का टारगेट त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 3 विकेट रहते 18 ओवर में चेज कर लिया। एलेक्स हेल्ड ने सबसे ज्यादा 26 रन बनाए। इसके अलावा कॉलिन मनरो (23), सुनील नरेन (22), कायरन पोलार्ड (21) और अंत में अकील हुसैन ने 7 गेंदों पर नाबाद 16 रन की अच्छी पारी खेली। गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के लिए इमरान ताहिर ने 3 विकेट झटके।